प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज महाराष्ट्र में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये राज्य में 11,200 करोड़ रुपये से अधिक लागत की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास किया। पीएम मोदी ने पुणे मेट्रो सेक्शन और सोलापुर हवाई अड्डे का उद्घाटन किया।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक:147 दिनांक:30-09-2024 सोमवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर कहा, महाराष्ट्र के विकास के नए अध्याय की साक्षी बन रही है। अभी डिस्ट्रिक्ट कोर्ट से स्वारगेट सेक्शन रूट का लोकार्पण हुआ है। इस रूट पर भी अब मेट्रो चलना शुरू हो जाएगी।

सीतामढ़ी में बांध टूटा, नेपाल में बारिश से बिहार के 12 जिलों में संकट

पटना/ सुपौल/ मधुबनी : नेपाल में तीन दिनों से भारी बारिश हो रही। नेपाल ने अपना रिकॉर्ड पानी शनिवार को बिहार की कोसी और गंडक नदी में भेज दिया। इन दोनों नदियों में बाढ़ ने एक लाख लोगों को घेर लिया। अब गंगा का भी जलस्तर बढ़ने का डर है। पटना पर भी आफत है।

सीतामढ़ी जिले के बेलसंड प्रखंड स्थित मधकौल गांव के समीप बागमती तटबंध में माउस होल से हो रहे रिसाव के कारण बांध टूट गया, जिससे 15 गांवों में बाढ़ का पानी घुस गया है। इससे 25हजार की आबादी प्रभावित हो गई है। इस घटना ने स्थानीय समुदाय के लिए गंभीर संकट उत्पन्न कर दिया है। प्रभावित गांवों में मधकौल के साथ-साथ जाफरपुर, पंडहिया, ओलीपुर, कंसार और बसौल प्रमुख हैं, जहां पांच फीट तक पानी घुस गया है। आने जाने वाले मुख्य सड़क के साथ ही ग्रामीण सड़कों पर पानी का बहाव तेज है। गंडक नदी के अत्यधिक दबाव के कारण दिनांक 29 सितंबर को 5:00 बजे शाम में पश्चिम चम्पारण जिलान्तर्गत बगहा-1 प्रखंड में गंडक नदी के बायें किनारे पर अवस्थित चम्पारण तटबंध कि0मी0 4.50 पर क्षतिग्रस्त हुआ है। तटबंध को बचाने के लिए युद्धस्तर पर कार्य किये जा रहे हैं। तटबंध क्षतिग्रस्त होने, कार्य में लापरवाही बरतने एवं जिला प्रशासन से उचित समन्वय न रखने के आरोप में बगहा में पदस्थापित बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता निशिकांत कुमार को निलंबित कर दिया गया है।

नेपाल प्रभाग में बारिश थमने के बाद कोसी नदी के डिस्चार्ज में भी गिरावट दर्ज की जा रही है। रात 1 बजे से ही बराह क्षेत्र और सुबह 7 बजे से भीमनगर कोसी बराज से डिस्चार्ज में गिरावट आई है। जल संसाधन विभाग की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार शाम 7 बजे भीमनगर कोसी बराज से 3 लाख 34 हजार 290 क्यूसेक घटते क्रम में डिस्चार्ज रिकॉर्ड हुआ है। वही बराह क्षेत्र से घटते क्रम में 1 लाख 88 हजार 500 क्यूसेक डिस्चार्ज रिकॉर्ड हुआ है। नेपाल प्रभाग स्थित कोसी नदी के जल ग्रहण क्षेत्र में शनिवार की देर शाम बारिश थम गई है। इसके बाद नेपाल प्रभाग स्थित बराह क्षेत्र में कोसी नदी के डिस्चार्ज में भी कमी देखी गई है। शनिवार की रात 11 और 12 बजे बराह क्षेत्र से इस साल का सर्वाधिक 5 लाख 82 हजार 950 क्यूसेक डिस्चार्ज रिकॉर्ड किया गया।

बिहार में बाढ़ को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय की बैठक खत्म हो गई। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने की। उन्होंने बताया कि बिहार में जरूरत पड़ेगी तो लोगों को एयरलिफ्टिंग भी कराया जाएगा। इतना ही नहीं अगर जरूरत पड़ी तो एयरफोर्स को लगाकर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में फ़ूड पैकेजिंग भी गिराया जाएगा। सहरसा में नेपाल के जल अधिग्रहण क्षेत्र में लगातार हुई मूसलाधार बारिश और बराज से हुए अत्यधिक डिस्चार्ज से नदी का जलस्तर काफी बढ़ गया है। जिससे पूर्वी एवं पश्चिमी कोसी तटबंध के बीच बाढ़ आ गई है। वहां बसे लोगों का बाहर निकलना लगातार जारी है। रविवार को सुबह से ही पूर्वी कोसी तटबंध पर अफरा-तफरी की स्थिति रही। कुछ लोग बाढ़ देखने आए थे तो कुछ तटबंध के बीच फंसे अपनों का हाल जानने आए थे। इससे तटबंध पर काफी भीड़ बढ़ गई और कई जगहों पर जाम की स्थिति भी बन गई। लगातार प्रशासनिक अधिकारियों का काफिला बांध पर गश्त लगा रहे हैं।

सुपौल में कोसी तटबंध के कई बिंदुओं पर पानी का भारी दवाब बढ़ रहा है। पूर्वी तटबंध के स्पर संख्या 67.60 के समीप हो रहा पानी का रिसाव हो रह है। सुपौल सदर प्रखंड के बकौर पंचायत के नेमुआ मस्जिद के पास की घटना है। पानी के रिसाव से स्थानीय लोगों में दहशत है। बाढ़ निरोधात्मक कार्य में स्थानीय प्रशासन जुटी है। मोतिहारी से सटे नेपाल में फतुआ बांध टूट जाने से पूर्वी चम्पारण जिला के ढाका प्रखंड अन्तर्गत हीरापुर, गुरहनवा, वीरता टोला, भवानीपुर, बलुआ गुआबारी, महंगुआ, दोस्तियां, महुआवा सहित दर्जनों गांव में बाढ़ का पानी फैल चुका है। शनिवार के देर रात से बारिस थमने के बाद नदी का जलस्तर अभी भी बढ़ रहा है। नदी के जल स्तर में वृद्धि को देखते हुए एसडीओ निशा ग्रेवाल ने जल संसाधन विभाग के अभियंताओं को निर्देशित किया है कि तटबंध पर हुए रैन कट को ठीक किया जाए।

पूर्णिया में लगातार तीन दिनों से हो रही बारिश से जिले की नदियां उफान पर हैं। बायसी में बहने वाली महानंदा, कनकई और परमान जैसी नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। यहां हालत भयावह हैं। बायसी प्रखंड के ताराबाड़ी में कटाव ने भयावह रूप ले लिया है। यहां एक मस्जिद का ढांचा कनकई नदी में समा गया। इस घटना का 28 सेकेंड का लाइव वीडियो सामने आया है। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि कैसे मस्जिद का ढांचा महज चंद सेकेंड में नदी में समा गया।

कोसी बांध का 74.40 स्पर के टूटने की अफवाह से लोगों के बीच हाहाकार मच गया है। अचानक कोसी नदी में जल स्तर बढ़ने से स्पर के ऊपर से पानी का बहाव शुरू होने से लोगों का जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया। जिला प्रशासन और अंचल प्रशासन बचाव कार्य में जुट गई है। जानकारी के अनुसार नवहट्टा अंचल के पूर्वी तटबंध के अंदर कासिमपुर और हाटी पंचायत के झकराहा टोला के समीप स्पर के ऊपर से पानी का बहाव हो रहा है। नवहट्टा अंचल अधिकारी ने बताया कि स्पर टूटने की बात सामने आई थी लेकिन वह टूटा नही है ऊपर से पानी का बहाव हो रहा है। बचाव और राहत कार्य शुरू कर दिया गया है। एसडीआरएफ की टीम तैनात कर दिया गया है। जान माल की क्षति नहीं हुई है।

''जब तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सत्ता से बाहर न कर दूं, तब तक मैं नहीं मरूंगा'' - मंच पर बीमार पड़ने पर बोले खरगे

श्रीनगर (ईएमएस)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी सरकार पर जुबानी हमला बोला। उन्होंने कहा, ''जब तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सत्ता से बाहर न कर दूं, तब तक मैं नहीं मरूंगा।'' इस पहले खरगे रविवार को जम्मू-कश्मीर के जसरोटा में चुनाव प्रचार के दौरान अचानक बीमार पड़ गये। मंच पर भाषण देते हुए एकाएक कांग्रेस अध्यक्ष की तबीयत बिगड़ गई। जैसे-तैसे उन्होंने खुद को संभाला। इसके बाद अन्य नेता भी उनकी मदद के लिए आगे आए। उन्हें सोफे पर बिठाकर कुछ लोग उन्हें हवा करने लगे। उनके जूते भी खोल दिए गए। बाद में उनकी हालत स्थिर हुई।

राज्यसभा सांसद ने कहा, ''मोदी जी बेवजह जम्मू-कश्मीर आकर युवाओं के लिए झूठे आंसू बहा रहे हैं। वह दावा कर रहे हैं कि उन्होंने युवाओं के हित के लिए कई कदम उठाए, जबकि सच्चाई यह है कि उन्होंने अपने कार्यकाल में महज युवाओं के भविष्य को अंधकार में धकेला है।'' उन्होंने आगे कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में भारत ने बेरोजगारी के मामले में 45 साल का रिकॉर्ड तोड़ा है। जम्मू-कश्मीर के सरकारी विभागों में 65 फीसद पद रिक्त हैं। इन सभी पदों पर बाहरी लोगों की नियुक्ति की जा रही है, लेकिन यहां के मूल लोगों की अनदेखी हो रही है।''

मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, ''आप सभी लोगों ने देखा होगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर में आकर कितना झूठ बोला। उन्होंने यहां आकर कांग्रेस को कितनी गालियां दीं। इन लोगों ने किस तरह से हमारी पार्टी के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। इससे साफ जाहिर होता है कि भाजपा और इनके लोग घबराए हुए हैं। भाजपा के नेताओं को अपनी हार दिख रही है, इसलिए ये लोग बौखलाए हुए हैं।''

आईफा 2024 में शाहरुख-रानी का रहा दबदबा, रणबीर की फिल्म के नाम रहे कई अवॉर्ड

नई दिल्ली(ईएमएस)। अबू धाबी में आयोजित आईफा 2024 अवॉर्ड समारोह में फिल्म अभिनेता शाहरुख और अभिनेत्री रानी मुखर्जी का अच्छा खासा दबदबा रहा। वहीं कई अवार्ड रणवीर कपूर की फिल्म के नाम भी रहे।पिछले साल रिलीज हुई बॉलीवुड की बेहतरीन फिल्मों को सम्मानित किया गया। शाहरुख खान से लेकर रानी मुखर्जी ने अपने शानदार अभिनय के लिए अवॉर्ड जीते। शाहिद कपूर, अनन्या पांडे, कृति सेनन, करण जौहर, ऐश्वर्या राय सहित कई सितारे इस फंक्शन में शामिल हुए थे। शाहरुख खान की पिछले साल तीन फिल्में आई थीं। उन्हें उनकी दमदार एक्टिंग के लिए पिछले साल रिलीज हुई 'जवान' के लिए बेस्ट एक्टर अवॉर्ड मिला। वहीं रानी मुखर्जी को उनकी कमबैक फिल्म 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड मिला।

बेस्ट एक्ट्रेस के लिए रानी मुखर्जी ('मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे'),बेस्ट एक्टर: शाहरुख खान (जवान),बेस्ट डायरेक्टर: विधु विनोद चोपड़ा – 12वीं फेल,

बेस्ट फिल्म: एनिमल,बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस: शबाना आजमी (रॉकी और रानी की प्रेम कहानी),बेस्ट परफॉर्मेंस इन नेगेटिव रोल: बॉबी देओल (एनिमल),

बेस्ट म्यूजिक डायरेक्शन: प्रीतम, विशाल मिश्रा, मानव भारद्वाज, श्रेयस पुराणिक, जानी, भूपिंदर बब्बाल, अशीम केमसन, हर्षवर्धन रामेश्वर (एनिमल)

बेस्ट प्लेबैक सिंगर (मेल): भूपिंदर बब्बल-अर्जन वेल्ले(एनिमल) बेस्ट प्लेबैक सिंगर (फीमेल): शिल्पा राव (जवान) शामिल हैं।

इसी तरह स्पेशल अवॉर्ड्स भी प्रदान किए गए हैं, भारतीय सिनेमा में उत्कृष्ट उपलब्धि: हेमा मालिनी, डेब्यूटंट ऑफ द ईयर: अलिजेह अग्निहोत्री, सर्वश्रेष्ठ कहानी: इशिता मोइत्रा, शशांक खेतान, सुमित रॉय – रॉकी और रानी की प्रेम कहानी, सर्वश्रेष्ठ गीत: सिद्धार्थ सिंह और गरिमा वहल – सतरंगा (एनिमल), सिनेमा में 25 साल पूरे करने पर उपलब्धि- करण जौहर,बॉलीवुड सितारों ने अपनी शानदार परफॉर्मेंस से इस रात को और भी यादगार बना दिया। शाहिद कपूर, कृति सेनन, विक्की कौशल ने स्टेज पर दमदार डांस परफॉर्मेंस दी। शाहिद कपूर का प्रभु देवा और कृति सेनन संग डांस देख दर्शक उत्साह से झूम उठे।

सुप्रीमकोर्ट और हाईकोर्ट के जज नहीं करना चाहते संपत्ति का खुलासा

सुप्रीम कोर्ट के 33 जजों में 27 जजों ने दी जानकारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में 25 हाईकोर्ट के 789 जजों में से मात्र 98 जजों ने अपनी संपत्ति के बारे में जानकारी दी है। वहीं सुप्रीम कोर्ट के 33 जजों में से 27 जजों ने अपनी संपत्ति की जानकारी, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को दी है। सुप्रीम कोर्ट के 6 जजों ने अभी तक कोई जानकारी नहीं दी है।

संसद की कार्मिक लोक शिकायत और न्याय समिति ने 1 साल पहले सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की संपत्ति और देनदारी का अनिवार्य रूप से खुलासा करने की अनुशंसा की थी। इस अनुशंसा के बाद भी हाईकोर्ट के जजों में संपत्ति का खुलासा करने में कोई रुचि नहीं ली है। पिछले कुछ वर्षों में न्यायपालिका के फैसलों से आम जनता के बीच में न्यायपालिका की साख कम हुई है। उसको देखते हुए यह माना जा रहा है। जजों को अपनी संपत्ति का खुलासा करना चाहिए।

कुछ जजों ने अपनी संपत्ति का ब्यौरा वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। जजों ने स्वयं की संपत्ति, आश्रितों की संपत्ति तथा पत्नी की संपत्ति की जानकारी दी है। कुछ जजों ने अपने शेयर, जीवन बीमा पॉलिसी और म्युचुअल फंड की जानकारी भी वेबसाइट पर अपलोड की है।

एक रिपोर्ट से प्राप्त हुई जानकारी के अनुसार हाईकोर्ट के जिन जजों ने वेबसाइट पर अपनी जानकारी उपलब्ध कराई है। उसमें केरल हाईकोर्ट के 39 जजों में से 37 जजों ने, पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के 35 में से 31 जजों ने, दिल्ली हाईकोर्ट के 39 में से 11 जजों ने, हिमाचल प्रदेश के 12 में से 10 जजों द्वारा,छत्तीसगढ़ के 17 में से 2,कर्नाटक के 50 जजों में से मात्र 2 और मद्रास हाई कोर्ट के 62 जजों में से केवल पांच ने अपनी जानकारी उपलब्ध कराई है।

पिछले कुछ वर्षों में आम नागरिकों को न्यायपालिका की कार्यप्रणाली और जजों के फैसलों को लेकर समय-समय पर विवादित स्थिति बनती रही है। सरकार ने अभी इस संबंध में कोई कानून नहीं बनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने 7 मई 1997 को एक प्रस्ताव के जरिए न्यायाधीशों को अपनी और परिवार जनों की संपत्ति की जानकारी भारत के मुख्य न्यायाधीश को देने का नियम बनाया था। 1 साल पहले संसद की कार्मिक लोक शिकायत और न्याय समिति ने भी इसकी अनुशंसा की थी। इसके बाद भी हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जज तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश जेएस वर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक में जो निर्णय लिया गया था। उसके अनुसार जानकारी प्रस्तुत नहीं कर रहे हैं।

टोल बूथ पर हर माह करोड़ों का घोटाला!

फर्जी टोल रसीद एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में छेड़छाड़ से सरकार को करोड़ों का चूना

नई दिल्ली (ईएमएस) । नेशनल हाईवे पर किस तरह से सरकार को चूना लगाया जा रहा है। इसका एक मामला हाल ही में मीडिया ने उजागर किया है।

नेशनल हाईवे के नागौर के गोगेलाव और बीकानेर के पारवा टोल नाको पर टैक्स वसूली के जरिए सरकारी खजाने को बड़ा चूना लगाए जाने का मामला उजागर हुआ है। बिना फास्टैग के वाहन से नगद और यूपीआई भुगतान के जरिए फर्जी रसीदों के माध्यम से टोल टैक्स वसूल किया जाता है। जिन वाहनों पर फास्टैग लगा होता है सेंसर में गड़बड़ी करके उनसे भी टोल नाके के कर्मचारियों द्वारा नगद वसूली की जाती है। नगद टोल टैक्स वसूली में सरकार का हिस्सा गायब हो जाता है। सरकार को प्रतिदिन लाखों रुपए का नुकसान टोल चलाने वाले ठेकेदार पहुंचा रहे हैं।

फर्जी रसीदों के जरिए टोल नाकों के माध्यम से प्रतिदिन लाखों रुपए की वसूली की जा रही है। टोल नाको पर जो कैश ट्रांजैक्शन हो रहा है। उसमें सबसे ज्यादा गड़बड़ी हो रही है। इस फर्जीवाड़े में राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारी भी शामिल बताए जाते हैं।

प्रिंटर और उपकरणों में छेड़छाड़

टोल नाको पर असली प्रिंटर के साथ एक अतिरिक्त प्रिंटर जोड़ दिया जाता है। बिना फास्ट्रेक के जो गाड़ियां निकलती हैं। उन्हें एक ही बैरियर से गुजारा जाता है। इस बैरियर का प्रिंटर मोबाइल और यूपीआई से अटैच कर दिया जाता है।इसी माध्यम से सबसे बड़ा फर्जीवाड़ा किया जा रहा है। जब अधिकारी चेकिंग करने के लिए आते हैं। तब अतिरिक्त प्रिंटर को हटा दिया जाता है। एक मीडिया हाउस द्वारा लगभग 3 महीने तक लगातार निगरानी करने और तथ्यों को एकजुट करने के बाद यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है। टोल नाकों पर तरह-तरह से फर्जी दस्तावेज तैयार किये जा रहे हैं। एनएचएआई को भेजी जाने वाली जानकारी और रिपोर्ट अलग होती हैठेकेदार को भेजे जाने वाली रिपोर्ट अलग होती है।

सुनियोजित रूप से फर्जीवाड़ा

टोल नाका 24 घंटे संचालित होते हैं। यहां पर तीन शिफ्ट में डयूटी लगाई जाती है। बड़े सुनियोजित रूप से यह फर्जीवाड़ा टोल नाके के ठेकेदारों द्वारा किया जा रहा है। इस तरह की गड़बड़ी का यह मामला पहली बार खुलकर सामने आया है। जब भी इस तरह की शिकायतें नेशनल हाईवे के अधिकारियों को की जाती है। अधिकारी जांच करने की बात कहकर मामले को रफा दफा कर देते हैं। जिसके कारण सरकारी खजाने को टोल नाको के माध्यम से करोड़ों रुपए का चुनाव हर माह लगाया जा रहा है। अधिकारियों और ठेकेदारों की मिली भगत से यह गड़बड़ घोटाला पिछले कई वर्षों से चल रहा है।

पीएम मोदी ने कांग्रेस अध्यक्ष खरगे से की बात

जम्मू:जम्मू-कश्मीर में जनसभा को संबोधित करते समय कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की तबीयत बिगड़ी थी। खरगे को अचानक चक्कर आया था और वह बेहोश होने लगे, जिस पर उन्हें मंच पर मौजूद लोगों ने संभाला।

जम्मू-कश्मीर में चुनाव प्रचार के आखिरी दिन यानी रविवार को कठुआ में जनसभा को संबोधित करने के दौरान मंच पर अचानक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की तबीयत खराब हो गई थी। मंच पर भाषण देते समय कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को चक्कर आया और वह बेहोश होने लगे। हालांकि समय रहते उनके सुरक्षाकर्मी और मंच पर मौजूद अन्य कांग्रेस नेताओं ने उन्हें संभाल लिया। उन्हें पानी पिलाया। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस अध्यक्ष से बात की और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली।

नक्सलियों ने किया आईईडी ब्लास्ट

सीआरपीएफ के पांच जवान घायल

बीजापुर(ईएमएस)। बीजापुर जिले के उसूर ब्लॉक के तररेम और गुंडम क्षेत्र में रविवार की सुबह सर्चिंग पर निकले सीआरपीएफ जवान नक्सलियों के द्वारा लगाए गए आईडी की चपेट में आ गए। इस हमले में पांच जवान घायल हो गए। घायल जवानों को अस्पताल ले जाया गया है। इस घटना के बाद किसी भी तरह से कोई फायरिंग नहीं हुई। यह पूरी घटना चिन्नागलूर कैम्प से करीब 350 मीटर की दूरी पर हुई है।

मामले के बारे में जानकारी देते हुए आला अधिकारियों ने बताया कि रविवार की सुबह सीआरपीएफ 153 बटालियन के जवान सर्चिंग पर निकले हुए थे, कैप से जैसे ही 350 मीटर की दूरी पर पहुंचे कि अचानक से ब्लास्ट हो गया। पीछे चल रहे साथी मोर्चा संभालते हुए तुरंत तैनात हो गए। लेकिन इस दौरान किसी भी तरह से कोई भी गोलीबारी नहीं हुई। जवानों ने तत्काल ही घायल जवानों को अस्पताल में भर्ती कराया। इस आईडी ब्लास्ट में सीआरपीएफ 153 बटालियन के पांच जवान घायल हुए हैं।

राम रहीम ने 11वीं बार पैरोल मांगी

चंडीगढ़(ईएमएस)। हरियाणा चुनाव के बीच साध्वियों के यौन शोषण और कत्ल केस में 20 साल कैद काट रहे डेरा सच्चा सौदा प्रमुख राम रहीम ने सरकार से इमरजेंसी पैरोल मांगी है। राम रहीम ने जेल विभाग को आवेदन कर 20 दिन की पैरोल देने के लिए कहा है। इस दौरान उसने उत्तर प्रदेश के बरनावा आश्रम में रहने की बात कही है। राम रहीम 13 अगस्त को ही 21 दिन की फरलो पर बाहर आया था। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए आचार संहिता लगी हुई है।

इस वजह से सरकार ने राम रहीम के आवेदन को मुख्य निर्वाचन अधिकारी के पास भेजा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राज्य सरकार को पत्र लिखकर पैरोल को लेकर सवाल पूछे हैं।

पत्र में पूछा गया है कि चुनाव के टाइम किसी दोषी को पैरोल पर रिहा करना कितना सही है? डेरा प्रमुख इस समय हरियाणा के रोहतक की सुनारिया जेल में बंद हैं। चुनाव के लिहाज से देखें तो राम रहीम का हरियाणा के सिरसा, अंबाला, कुरुक्षेत्र और हिसार जिले में खासा प्रभाव है। इन चारों जिलों में करीब 36 विधानसभा सीटें आती हैं। हरियाणा में 5 अक्टूबर को वोटिंग होनी है। 8 अक्टूबर को नतीजे घोषित किए जाएंगे।

आरबीआई की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की बैठक 7-9 अक्टूबर को,लोन महंगे नहीं होंगे

मुंबई(ईएमएस)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी मीटिंग 7-9 अक्टूबर को होगी। गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता वाली इस मीटिंग में ब्याज दर पर फैसला लिया जाएगा। पिछली मीटिंग अगस्त को हुई थी, जिसमें कमेटी ने लगातार 9वीं बार दरों में बदलाव नहीं किया था। अक्टूबर में होने वाली मीटिंग में भी ब्याज दरों में बदलाव की उम्मीद नहीं है।

मीटिंगकेफैसलोंकीजानकारी आरबा आई गवर्नर शक्तिकांत दास 9 अक्टूबर को देंगे। ये मीटिंग हर दो महीने में होती है। आरबीआई ने आखिरी बार फरवरी 2023में दरें 0.25 प्रतिशत बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत की थीं। इससे पहले 18 सितंबर को अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में 0.5 प्रतिशत की कटौती की थी। चार सालबादकी गई इस कटौती के बाद ब्याज दरें 4.75प्रतिशत से5.25 प्रतिशत के बीच हो गई थी। अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी इकोनॉमी है, ऐसे में इसके सेंट्रल बैंक के हर बड़े फैसले का असर दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ता है।

2020 से 5 बार ब्याज दरें बढ़ी

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने कोरोना के दौरान दो बार ब्याज दरों में 0.40 प्रतिशत की कटौती की। इसके बाद अगले 10 मीटिंग्स में सेंट्रल बैंक ने 5 बार ब्याज दरों में बढ़ोतरी की, चार बार कोई बदलाव नहीं किया और एक बार अगस्त 2022 में 0.50 प्रतिशत की कटौती की। कोविड से पहले 6 फरवरी 2020 को रेपो रेट 5.15 प्रतिशत पर था।

2025 तक 0.50 प्रतिशत की कटौती हो सकती है

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटजिस्ट डॉ. वी के विजयकुमार ने कहा कि भारत में मार्च 2025 तक 0.50 प्रतिशत की कटौती हो सकती है। आरबीआई ने 8 फरवरी 2023 के बाद से ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। अभी रेपो रेट 6.50 प्रतिशत है। वॉलफोर्ट फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के फाउंडर विजय भराड्या ने कहा की कि दर में कटौती एक साहसिक कदम है जो भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) सहित अन्य वैश्विक केंद्रीय बैंकों को सॉफ्टर मॉनेटरी स्टांस अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है।

महंगाई से लडऩे का शक्तिशाली टूल है पॉलिसी रेट

किसी भी सेंट्रल बैंक के पास पॉलिसी रेट के रूप में महंगाई से लडऩे का एक शक्तिशाली टूल है। जब महंगाई बहुत ज्यादा होती है, तो सेंट्रल बैंक पॉलिसी रेट बढ़ाकर इकोनॉमी में मनी फ्लो को कम करने की कोशिश करता है। पॉलिसी रेट ज्यादा होगी तो बैंकों को सेंट्रल बैंक से मिलने वाला कर्ज महंगा होगा। बदले में बैंक अपने ग्राहकों के लिए लोन महंगा कर देते हैं। इससे इकोनॉमी में मनी फ्लो कम होता है। मनी फ्लो कम होता है तो डिमांड में कमी आती है और महंगाई घट जाती है। इसी तरह जब इकोनॉमी बुरे दौर से गुजरती है तो रिकवरी के लिए मनी फ्लो बढ़ाने की जरूरत पड़ती है। ऐसे में सेंट्रल बैंक पॉलिसी रेट कम कर देता है। इससे बैंकों को सेंट्रल बैंक से मिलने वाला कर्ज सस्ता हो जाता है और ग्राहकों को भी सस्ती दर पर लोन मिलता है।

आज से 25 नवंबर तक कीजिए एक साथ दो-दो चांद के दीदार

नई दिल्ली(ईएमएस)। आज यानी 29 सितंबर से अंतरिक्ष में आप एक साथ दो दो चांद के दीदार कर सकते हैं। सिर्फ आज ही नहीं बल्कि 25 नवंबर तक इन्हे देखा जा सकता है। लेकिन आपको बहुत ज्यादा उत्साहित होने की जरुरत नहीं है,क्योंकि ये दूसरा वाला चांद केवल विशेष टेलीस्कोप से ही देखना संभव हो पाएगा।

यह दूसरा चांद वास्तव में एक विशालकाय एस्ट्रॉयड है, जिसे 2024 पीटी 5 कहा जा रहा है। यह एस्ट्रॉयड धरती की परिक्रमा कर रहा है और 25 नवंबर तक यह नजदीक रहेगा। इसके बाद यह सूर्य की कक्षा में चला जाएगा। इस मिनी मून की खोज 7 अगस्त को की गई थी। इसका आकार 10 फीट से 138 फीट तक हो सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, यह एस्ट्रॉयड वर्तमान में 2200 मील प्रति घंटा (3540 किलोमीटर प्रति घंटा) की गति से धरती का चक्कर काट रहा है। इसकी दूरी धरती से लगभग 216 मिलियन मील है। इस दूसरे चांद को मिनी मून नाम दिया गया है। इस खगोलीय घटना को देखना खगोल विज्ञान के शौकीनों के लिए एक चमत्कार जैसा होगा। नासा के वैज्ञानिक इस मिनी मून पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। हालांकि, इसे नंगी आंखों से देख पाना संभव नहीं होगा। इस खगोलीय घटना का अनुभव लेने के लिए विशेष टेलीस्कोप की आवश्यकता होगी। एक दिलचस्प रिपोर्ट के अनुसार, इस मिनी मून का महाभारत से भी एक खास कनेक्शन है। स्पेन के यूनिवर्सिडैड कॉम्प्लूटेंस डी मैड्रिड के शोधकर्ताओं ने बताया है कि इस मिनी मून की विशेषताएँ अर्जुन एस्ट्रॉयड बेल्ट से मेल खाती हैं। यह बेल्ट महाभारत के प्रमुख किरदार अर्जुन के नाम पर रखी गई है, और इसका नाम अंतर्राष्ट्रीय खगोलीय संघ (आईएयू) द्वारा मान्यता प्राप्त है।

वर्धमान ग्रुप के मालिक से 7 करोड़ ठगे

-सुप्रीम कोर्ट के प्रॉपर्टी सीलिंग-गिरफ्तारी के फर्जी ऑर्डर-वारंट दिखाकर डराया

लुधियाना (ईएमएस)। मशहूर टैक्सटाइल-स्पिनिंग कंपनी वर्धमान ग्रुप के चेयरमैन एसपी ओसवाल से 7 करोड़ की ठगी हो गई। ठगी करने वालों ने सुप्रीम कोर्ट के ऑर्डर के नाम पर उन्हें गिरफ्तारी और बदनामी का डर दिखाया। उन्हें प्रॉपर्टी सीलिंग और अरेस्ट करने के फर्जी वारंट भेजे। जिसके बाद उनसे रकम ले ली। जब एसपी ओसवाल को ठगी की भनक लगी तो उन्होंने लुधियाना पुलिस को शिकायत दे दी। पुलिस ने आरोपियों पर केस दर्ज करते हुए एक ठग को गिरफ्तार कर लिया है।

वर्धमान ग्रुप के मालिक एसपी ओसवाल को साल 2010 में केंद्र सरकार की तरफ से पद्म भूषण अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है। वर्धमान ग्रुप देश की नामी कंपनियों में से एक है। आज इंडिया के अलावा इस ग्रुप की विदेशों में भी कई ब्रांच हैं।

पुरानी घटनाओं को छोड़कर आज की घटनाओं के लिए जवाबदेही तय हो

-सांसद मीसा भारती ने कुशवाहा के लगाए आरोपों पर दी प्रतिक्रिया

पटना,(ईएमएस)। पाटलिपुत्र से लोकसभा सांसद मीसा भारती ने आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव और अपने पिता के बिहार-बलात्कार संबंधी पोस्ट पर उपेंद्र कुशवाहा के बयान पर प्रतिक्रिया दी। रविवार को पटना में मीसा ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि लोग वर्तमान घटनाओं को छोड़कर 20-22 साल पुराने मुद्दों पर बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम लोगों ने देखा है कि आज की घटनाओं के लिए जवाबदेही तय होनी चाहिए। यह स्पष्ट है कि प्रशासन पर सीएम की पकड़ कमजोर हो रही है।

मीसा ने राज्य में बाढ़ की गंभीर स्थिति पर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि बाढ़ की स्थिति गंभीर है। हम सभी ने इसे देखा है। बिहार सीएम नीतीश कुमार और उनके मंत्री इसे संभालने में जुटे होंगे, लेकिन जनता को भी यह जानना जरूरी है कि सरकार क्या कदम उठा रही है। हमें उम्मीद है कि सीएम इस मामले में गंभीर होंगे।

बता दें लालू प्रसाद यादव के बिहार-बलात्कार पर किए गए पोस्ट पर उपेंद्र कुशवाहा ने कहा था कि यह बिहारी अस्मिता पर हमला है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि लालू के शासनकाल में अपराधियों को संरक्षण मिलता था। आज बिहार में कोई संगठित अपराध नहीं है, जबकि आपके (लालू) के समय में स्थिति बिलकुल अलग थी। इस प्रकार बिहार की राजनीतिक स्थिति और सुरक्षा मुद्दों पर बहस जारी है, जिसमें प्रमुख दलों के नेता एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं। यह मामला राज्य की वर्तमान राजनीतिक स्थिति को दर्शाता है, जहां विपक्ष सरकार की नीतियों और कार्यों पर सवाल उठा रहा है।

कठुआ में एक आतंकी ढेर

श्रीनगर(ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में बिलावर तहसील स्थित कोग-मंडली में रविवार को दूसरे दिन भी सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी है। अधिकारियों ने बताया कि दोपहर एक आतंकी मारा गया है। उसका शव बरामद हो गया है। जम्मू जोन के एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस आनंद जैन ने बताया कि सुरक्षाबलों ने शनिवार, 28 सितंबर को सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। उन्हें तीन से चार विदेशी आतंकियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी।

हरियाणा में भाजपा ने निर्दलीय चुनाव लड़ रहे 8 नेताओं को पार्टी से निष्कासित किया

चंडीगढ़ (ईएमएस)। हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी की तरफ से बागियों पर अनुशासन का डंडा चलाया गया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने निर्दलीय चुनाव लड़ रहे 8 नेताओं को पार्टी से निष्कासित कर दिया है।

प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहनलाल बडौली की तरफ से जारी आदे

जन हितैषी

इजराइल के खौफ से सारी दुनिया सहमी, संयुक्त राष्ट्र संघ और हाथी के दांत

इजराइल का खौफ सारी दुनिया में छा गया है। संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी संस्था भी इजराइल के सामने अपने आप को वेबश मान रही है। संयुक्त राष्ट्र संघ के युद्ध विराम के निर्देश को इजराइल ने नहीं माना। संयुक्त राष्ट्र संघ की बैठक से बाहर निकलने के तुरंत बाद लेबनान में हिजबुल्लाह के मुख्यालय में भारी बमबारी कर एक नए युद्ध का शंखनाद इजराइल ने कर दिया है। हिजबुल्ला के प्रमुख सैयद हसन नसरुल्लाह के साथ कई लोग इस हमले में मारे गए। हिजबुल्ला का मुख्यालय शहरी इलाके में था। 80 टन बारूद के बमों से हमले किए गए। 40 फ़ीसदी बेरूत बर्बाद हो गया है। हजारों लोगों की मौत हो गई है। यहां के लोगों को सड़कों पर आकर रहना पड़ रहा है। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने जिस तरह से संयुक्त राष्ट्र संघ के मंच से लेबनान को तबाह करने की धमकी देते हुए विश्व जनमत को न केवल हतप्रभ किया था। वरन लेबनान पर हमला करके जो तबाही बेरूत में मचाई है, उसके बाद सारी दुनिया के देश इजराइल से खौफजदा हो गए हैं। इजराइल और हमास का युद्ध जब से शुरू हुआ है। उसके बाद लेबनान के साथ भी इजराइल का युद्ध शुरू हो गया है। तब से लेकर अभी तक लगभग 80000 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। 13 मई 2024 को संयुक्त राष्ट्र संघ की जो रिपोर्ट प्रकाशित हुई थी। उसके अनुसार 35000 से ज्यादा लोग गाजा पट्टी में सामान्य नागरिक एवं हमास के लोग मारे जा चुके थे। इनमें से 7797 नाबालिग बच्चे, 4959 महिलाएं और 19924 बुजुर्गों की पहचान की गई थी। इजराइल ने अस्पताल और राहत शिविरों में भी लगातार बमबारी की। रेड क्रॉस जैसी संस्था औचित्यहीन हो गई। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने जिस तरह की चेतावनी अभी हिज्बुल्लाह संगठन को लेकर दी है, वैसी ही चेतावनी कई माह पहले उन्होंने हमास को लेकर दी थी। जिस तरह का नरसंहार इजराइल द्वारा किया जा रहा है। उसके बाद अब नर पिसाच के रूप में भी नेतन्याहू की पहचान सारी दुनिया में बनने लगी है। इजराइल ने जिस तरह से लेबनान में सिल-सिलेबार इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में धमाके कराकर हिजबुल्लाह के लड़ाकुओं को अपने निशाने पर लिया। यह युद्ध का एक नया तरीका था। इजराइल ने लेबनान में करीब 5000 से अधिक पेजर में ब्लास्ट कराकर हजारों हिजबुल्लाह के लडाकुओं को एक साथ समाप्त कर दिया। कई स्थानों पर वॉकी-टॉकी में भी विस्फोट हुए। इसके बाद सारी दुनिया के देशों में इजराइल को लेकर एक नई दहशत फैल गई है। इजराइल ने पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से इलेक्ट्रॉनिक और संचार उपकरणों के माध्यम से जासूसी और ट्रैकिंग का एक जाल बिछाया है। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अब हथियार बनाकर इजराइल द्वारा जो हमले किए जा रहे हैं। इस युद्ध की नवीन तकनीकी से इजराइल के सहयोगी देश भी दहशत में आ गए हैं। अमेरिका जैसा देश भी इजराइल से भयभीत हो गया है। यह सब आश्चर्यचकित करने वाला है। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहु के पास जो ताकत है, उसके बाद से वह अपनी ताकत को लेकर मदमस्त हैं। वह सारी दुनिया को अपनी उंगलियों में नचाने की मुद्रा में आ गए हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ में उन्होंने जो कहा है। उससे ऐसा ही प्रतीत हो रहा है। सारी दुनिया के देश यह समझने में लगे हैं। इजराइल के पास ऐसी कौन सी ताकत है, जिसके कारण इजराइल सारी दुनिया के देशों के लिए एक चुनौती बन गया है। इजराइल के प्रधानमंत्री जिस तरह से ईरान और अन्य देशों को खुलेआम धमकी दे रहे हैं। उसके बाद से सारी दुनिया के देशों में एक अज्ञात भय देखने को मिल रहा है। ईरान के राष्ट्रपति को अज्ञात स्थान पर भेज दिया गया है। इजराइल ने जिस तरह से संचार माध्यमों को अपना हथियार बनाया है। बहुत कम खर्चे में हजारों किलोमीटर दूर बैठकर अपने विरोधियों को खत्म करने की जो नई तकनीकी इजराइल के पास है। उससे सारी दुनिया में भय फैल गया है। यह पागलपन इजराइल के लिए भी संकट का कारण बन सकता है। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के सिर में जिस तरह का खून सवार है। वह अपने और परायों का भी भेद नहीं कर पा रहे हैं। अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र संघ की बात भी नहीं मान रहे हैं। ऐसी स्थिति में दुनिया के देश तबाही के नए कगार पर आकर खड़े हैं। इजराइल के संकट से निपटने के लिए दुनिया के कई देश एकजुट होकर इजराइल का मुकाबला करने के लिए तैयार होते दिख रहे हैं। एक बार फिर सारी दुनिया में तृतीय विश्व युद्ध जैसे हालात बनते हुए दिख रहे हैं। इसमें कितनी तबाही होगी, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। पिछले 100 सालों में दुनिया के देशों में जो सामाजिक और आर्थिक विकास हुआ है। तकनीकी के इस दौर में, उसे किस स्तर तक बचा के रखा जा सकता है। यह एक बड़ी चुनौती दुनिया के देशों के सामने आकर खड़ी हो गई है। जब लड़ाई होती है, तो दोनों ही पक्षों को भारी नुकसान होता है। निश्चित रूप से लड़ाइयों से किसी का फायदा होने वाला नहीं है। इजराइल की अर्थव्यवस्था दिनों-दिन खत्म होती जा रही है। इजराइल के नागरिकों का जीवन नारकीय हो गया है। इस युद्ध से इजराइल को क्या मिलेगा, यह कहना मुश्किल है। इजराइल के राष्ट्राध्यक्ष के रूप में नेतन्याहू को ताकत का जो अहंकार आ गया है, उसे वह जरूर पूरा होता हुआ मान रहे होंगे। दुनिया के सामने सबसे ताकतवर व्यक्ति नेतन्याहू बनना चाहते हैं। अभी तक तो उन्हें सफलता मिलती जा रही है। जो जीता वही सिकंदर की तर्ज पर नेतन्याहू ने इतिहास में अपना एक नया नाम दर्ज कर लिया है। इसमें कोई संदेह नहीं है।

धर्मनिरपेक्षताः पश्चिमी या आधुनिक?

भारत का स्वाधीनता संग्राम बहुवादी था और उसका लक्ष्य था धर्मनिरपेक्ष एवं प्रजातान्त्रिक मूल्यों की स्थापना। यह हमारे संविधान की उद्देशिका से भी जाहिर है, जिसमें स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व जैसे मूल्यों को स्थान दिया गया है। संविधान के कई अनुच्छेदों का लक्ष्य सामाजिक न्याय की स्थापना है। समानता से आशय है हर नागरिक - चाहे उसकी जाति, लिंग या धर्म कोई भी हो - को समान दर्जा देना। संविधान के अधिकांश प्रावधान धर्मनिरपेक्षता के मूल्यों पर आधारित हैं।

'धर्मनिरपेक्षता' - यह शब्द उद्देशिका में नहीं है मगर धर्मनिरपेक्षता, संविधान की नींव है, उसका निचोड़ है। संविधान का मसविदा डॉ आंबेडकर ने तैयार किया था, मगर उसके निर्माण में अलग-अलग राजनैतिक ताकतों ने भूमिका निभायी थी। संविधान को 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया था।

हिन्दू राष्ट्रवादियों ने संविधान का इस आधार पर विरोध किया कि वह हमारे पवित्र ग्रंथों में निहित लैंगिक और जातिगत पदक्रम के चिरकालिक मूल्यों को प्रतिबिंबित नहीं करता। आरएसएस के मुखपत्र द आर्गेनाइजर ने 19 नवम्बर 1949 को लिखा, ''हमारे संविधान में प्राचीन भारत की अद्वितीय सांविधानिक विकास यात्रा के भी कोई निशान नहीं हैं। स्पार्टा के लाइकर्जस या फारस के सोलन से भी काफ़ी पहले मनु का क़ानून लिखा जा चुका था। आज भी मनुस्मृति की दुनिया तारीफ़ करती है। भारतीय हिंदुओं के लिए तो वह सर्वमान्य व सहज स्वीकार्य है, मगर हमारे सांविधानिक पंडितों के लिए इस सब का कोई अर्थ नहीं है।''

हिन्दू राष्ट्रवादी हमारे धर्मनिरपेक्ष, प्रजातान्त्रिक गणतंत्र को हिन्दू राष्ट्र बताते रहे हैं और यह शाखाओं में दिए जाने वाले प्रशिक्षण का हिस्सा था और है। भारत की सरकारें धर्मनिरपेक्ष नीतियों पर चलने का प्रयास करती रहीं हैं और धार्मिक अल्पसंख्यकों के हितार्थ कई सकारात्मक कदम उठाये गए हैं। शाहबानो मामले में गलत निर्णय लेने के बाद से, दक्षिणपंथियों की ताकत बढनी शुरू हुई। वे धर्मनिरपेक्षता का मजाक उड़ने के लिए उसे 'छद्म' कहने लगे और 'सिक्युलर' जैसे शब्द इस्तेमाल करने लगे। उसके बाद संविधान को बदलने की मांग उठी। पहले वाजपेयी सरकार ने भारत के संविधान की समीक्षा के लिए वेकटांचलैया आयोग बनाया। उसने अपनी सिफारिशें भी प्रस्तुत कर दीं मगर उनका इतना विरोध हुआ कि उन्हें ठन्डे बस्ते में डाल दिया गया।

के। सुदर्शन ने सन 2000 में आरएसएस का सरसंघचालक बनने के बाद कहा कि भारत का संविधान पश्चिमी मूल्यों पर आधारित है और उसकी जगह ऐसे संविधान को लेनी चाहिए जो भारतीय पवित्र पुस्तकों पर आधारित हो। भाजपा के कई बड़े नेताओं ने संविधान को बदलने को अपनी मुख्य मांग बना लिया। अनंतकुमार हेगड़े उनमें से एक थे। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारतीय संविधान को बदले जाने की ज़रुरत है। हाल में हुए लोकसभा आमचुनाव (2024) में 'अबकी पार चार सौ पार' का नारा इसी लिए दिया गया था ताकि नई सरकार संविधान बदलने की स्थिति में रहे। और एक कारण जिसके चलते भाजपा को चुनाव में नुकसान उठाना पड़ा वह यह था कि इंडिया गठबंधन के नेताओं ने संविधान की प्रति अपने हाथ में पकड़कर यह कहना शुरू कर दिया कि उनका प्राथमिक लक्ष्य संविधान की रक्षा करना है।

इसी पृष्ठभूमि में हाल में तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन। रवि का एक वक्तव्य सामने आया है। उन्होंने कहा, ''धर्मनिरपेक्षता भारतीय अवधारणा नहीं है। यह यूरोपीय अवधारणा है। उसे वहीं रहने दें। उन्हें उसका आनंद लेने दें। मगर भारत अपने धर्म से दूर कैसे जा सकता है?'' राज्यपाल महोदय ने ये वचन कन्याकुमारी के तिरुवत्तर में हिंदू धर्म विद्या पीठम के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुई कहे। उन्होंने नेहरु-पटेल और इंदिरा गाँधी को एक-दूसरे के खिलाफ बताने का प्रयास भी किया। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान के निर्माता नेहरु और अम्बेडकर नहीं चाहते थे कि देश का संविधान धर्मनिरपेक्ष हो और इसलिए यह शब्द उद्देशिका का हिस्सा नहीं था। उन्होंने यह भी कहा कि चूँकि इंदिरा गाँधी राजनैतिक रूप से असुरक्षित महसूस कर रही थीं इसलिए उन्होंने उद्देशिका में यह शब्द जोड़ा। वे यह बताने का प्रयास कर रहे थे कि धर्म, दरअसल, मनुस्मृति और अन्य हिन्दू धार्मिक ग्रंथों में वर्णित धार्मिक कर्तव्यों और वर्ण व जाति पर आधारित सामाजिक संरचना से भिन्न है। हर धर्म का एक नैतिक पक्ष होता है - जैसे इस्लाम में दीन और ईसाईयत में 'एथिक्स'। उनके अनुसार, धर्मनिरपेक्षता, धर्म-विरोधी है। एक तरह से वे सही कह रहे हैं क्योंकि धर्मनिरपेक्षता सभी धर्मों और आस्थाओं के लोगों को समान दर्जा देती है। भारत के मामले में धर्म, घोर असमानता का पैरोकार है।

ऐसा लगता है कि राज्यपाल इस तथ्य से अनजान हैं कि यद्यपि संविधान की उद्देशिका में धर्मनिरपेक्ष शब्द नहीं है तथापि, हमारा संपूर्ण संविधान बहुवाद, धर्मनिरपेक्षता और विविधता पर आधारित है। केवल इस आधार पर धर्मनिरपेक्षता को पश्चिमी अवधारणा नहीं कहा जा सकता क्योंकि उसका जन्म पश्चिम में हुआ था। धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा की शुरुआत, पश्चिम में औद्योगिक क्रांति के साथ हुई। इसके साथ ही, वहां प्रजातंत्र और बहुवाद को भी स्वीकार्यता मिली। धर्मनिरपेक्षता एक आधुनिक अवधारणा है। इसका जन्म तब हुआ जब औद्योगिकरण के नतीजे में उद्योपतियों और श्रमिक वर्ग के उदय और महिलाओं की समानता के संघर्ष ने पुरोहित वर्ग और राजा के सामंती गठबंधन को चुनौती दी।

रवि धर्मनिरपेक्षता को केवल चर्च और राजा के बीच सत्ता संघर्ष से जोड़ना चाहते हैं। पश्चिम में पुरोहित वर्ग का सुपरिभाषित ढांचा था और राज्य सत्ता से उसके रिश्ते स्पष्ट थे। दुनिया के अन्य क्षेत्रों में भी कुछ-कुछ ऐसा ही था। हिन्दुओं में राजा-राजगुरु की जोड़ी थी और इस्लाम में नवाब-शाही इमाम की। राजा (जो सामंती व्यवस्था के शीर्ष पर था) और संगठित धर्म का बोलबाला था। उपनिवेशों, विशेषकर भारत में, एक और औपनिवेशिकता थी तो दूसरी ओर उद्योपतियों, श्रमिकों, महिलाओं और शिक्षित वर्गों के धर्मनिरपेक्ष-बहुवादी संगठन थे। इन्हीं वर्गों ने धर्मनिरपेक्षता के पौधे को पालापोसा।

अस्त होती सामंती ताकतें, मुस्लिम लीग, हिन्दू महासभा और आरएसएस जैसे सांप्रदायिक संगठनों के रूप में सामने आईं। वे धर्म का लबादा ओढ़ कर 'ईश्वर द्वारा निर्धारित' सामाजिक व्यवस्था, जिसमें वे सर्वेसर्वा थे, को जिंदा रखना चाहती थीं। भारत में हिन्दू धर्म के बारे में कहा जाता है कि वह पारंपरिक अर्थ में धर्म नहीं है। यह केवल लोगों को भ्रमित करने का तरीका है। जो लोग धर्म का रक्षक होने का दावा करते हैं वे दरअसल जाति और लिंग पर आधारित प्राचीन ऊंच-नीच को बनाए रखना चाहते है। ये ताकतें प्रजातंत्र के आगाज़ से पहले की दुनिया वापस लाना चाहती हैं। वे नहीं चाहतीं कि हर व्यक्ति का एक वोट हो। वे चाहतीं हैं कि राजा को ईश्वर से जोड़ा जाए और पुरोहित वर्ग उसे सहारा दे।

इस तरह की ताकतों को स्वयं को मजबूती देने के लिए एक शत्रु की ज़रुरत पड़ती है। भारत में वह शत्रु मुसलमान है। खाड़ी के कई देशों में वह शत्रु ईसाई है। वहां भी महिलाओं का दमन किया जाता है। 'मुस्लिम ब्रदरहुड' भी कहता है कि धर्मनिरपेक्षता पश्चिमी अवधारणा है। कई लोगों ने यह कहा है कि वर्तमान संविधान के रहते, रवि राज्यपाल बने रहने के काबिल नहीं हैं। उनका असली उद्देश्य क्या रहा होगा? एक नेता के अनुसार इस तरह के बयान इसलिए दिलवाए जाते हैं ताकि उन पर होने वाली प्रतिक्रिया को परखा जा सके, यह देखने के लिए कि प्रजातंत्र-विरोधी बातों को जनता किस रूप में लेती है।

आज धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा को रोकने की ज़रुरत तो है ही। इसके साथ ही धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को संरक्षित रखने की ज़रुरत भी है। आखिर धर्मनिरपेक्षता और प्रजातंत्र एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। (लेखक -राम पुनियानी/ईएमएस) (अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया। लेखक आईआईटी मुंबई में पढ़ाते थे और सन 2007 के नेशनल कम्यूनल हार्मोनी एवार्ड से सम्मानित हैं)

नोबेल पुरस्कार विजेता -वैज्ञानिक सर नेविल फ्रांसिस मॉट

(जन्मदिन 30 सितंबर पर विशेष)

सर नेविल फ्रांसिस मॉट का जन्म 30 सितंबर, 1905, लीड्स, वेस्ट यॉर्कशायर, इंग्लैंड में हुआ उन्होंने पुरस्कार और सम्मान में नोबेल पुरस्कार (1977) कोपले मेडल (1972) जीता उनका अध्ययन विषय अनाकार ठोस विद्युत चुंबकत्व थानेविल ांसिस मॉट (1905 - 1996) एक ब्रिटिश भौतिक विज्ञानी थे। उन्होंने रदरफोर्ड की प्रयोगशाला में टकराव सिद्धांत और परमाणु समस्याओं पर काम किया। 1933 में वे ब्रिस्टल और एच।डब्ल्यू। में सैद्धांतिक भौतिकी के अध्यक्ष के पास गये। सर नेविल एफ। मॉट (जन्म 30 सितंबर, 1905, लीड्स, वेस्ट यॉर्कशायर, इंजी।-मृत्यु 8 अगस्त, 1996, मिल्टन कीन्स, बकिंघमशायर) एक अंग्रेजी भौतिक विज्ञानी थे, जिन्होंने (संयुक्त राज्य अमेरिका के पी।डब्ल्यू। एंडरसन और जेएच वैन वेलेक के साथ) 1977 का नोबेल पुरस्कार साझा किया था। गैर-क्रिस्टलीय, या अनाकार, अर्धचालकों के चुंबकीय और विद्युत गुणों पर अपने स्वतंत्र शोध के लिए उन्हें भौतिकी में नोबेल पुरस्कार मिला। मॉट ने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से बीए (1927) और एमए (1930) की डिग्री प्राप्त की। वे 1933 में ब्रिस्टल विश्वविद्यालय में सैद्धांतिक भौतिकी के प्रोफेसर बने। ब्रिस्टल में ठोस-अवस्था भौतिकी में उनके काम में धातुओं और मेटलॉइड्स, अर्धचालक और फोटोग्राफिक इमल्शन का अध्ययन शामिल था। 1938 में मॉट ने परमाणु स्तर पर फोटोग्राफिक इमल्शन पर प्रकाश के प्रभावों का एक सैद्धांतिक विवरण विकसित किया। 1954 में वे कैंब्रिज विश्वविद्यालय में प्रायोगिक भौतिकी के कैवेंडिश प्रोफेसर बने और 1971 में सेवानिवृत्त हुए। माइकल फैराडे (बाएं) अंग्रेजी भौतिक विज्ञानी और रसायनज्ञ (विद्युत चुंबकत्व) और जॉन फ्रेडरिक डैनियल (दाएं) ब्रिटिश रसायनज्ञ और मौसम विज्ञानी जिन्होंने डैनियल सेल का आविष्कार किया था। विभिन्न धातुओं में विद्युत चालन पर मॉट के शोध ने उन्हें 1960 के दशक में अनाकार सामग्रियों की चालन क्षमता का पता लगाने के लिए प्रेरित किया, तथाकथित क्योंकि उनकी परमाणु संरचना अनियमित या अव्यवस्थित है। उन्होंने ऐसे सूत्र विकसित किए जो वर्णन करते हैं कि कांच और अन्य अनाकार सामग्री विद्युत प्रवाहकीय (धातु) अवस्था और इन्सुलेशन (गैर-धातु) अवस्था के बीच कर सकते हैं, जिससे अर्धचालक के रूप में कार्य किया जा सकता है। यह कांच जैसी सामग्री, जो निर्माण के लिए अपेक्षाकृत सरल और सस्ती है, ने अंततः कई इलेक्ट्रॉनिक स्विचिंग और मेमोरी उपकरणों में अधिक महंगे क्रिस्टलीय अर्धचालकों को प्रतिस्थापित कर दिया, और अधिक किफायती व्यक्तिगत कंप्यूटर, पॉकेट कैलकुलेटर, कॉपी मशीन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को जन्म दिया। मॉट को 1962 में नाइट की उपाधि दी गई थी।स्किनर और एच। जोन्स के प्रभाव में धातुओं और अर्धचालकों के गुणों पर ध्यान केंद्रित किया। युद्ध से पहले उनके ब्रिस्टल काल के दौरान किए गए कार्यों में संक्रमण धातुओं का सिद्धांत, सुधार, मिश्र धातुओं का सख्त होना (नवारो के साथ) और फोटोग्राफिक अव्यक्त छवियां (गुर्नी के साथ) शामिल थीं। युद्ध के दौरान लंदन में सैन्य अनुसंधान के बाद, वह ब्रिस्टल में भौतिकी विभाग के प्रमुख बने, और कम तापमान ऑक्सीकरण (कैब्रेरा के साथ) और धातु-इन्सुलेटर संक्रमण पर पत्र प्रकाशित किएसर 1954 में उन्हें भौतिकी का कैवेंडिश प्रोफेसर नियुक्त किया गया, इस पद पर वे 1971 तक रहे और कई सरकारी और विश्वविद्यालय समितियों में कार्यरत रहे।चुंबकीय और अव्यवस्थित प्रणालियों, विशेष रूप से अनाकार अर्धचालकों की इलेक्ट्रॉनिक संरचना पर उनके काम के लिए उन्हें 1977 में भौतिकी का नोबेल पुरस्कार मिला था। यह पुरस्कार उन्होंने फ़िलिप डब्ल्यू एंडरसन और जेएच वान वेलेक के साथ साझा किया था, जिस शोध के लिए उन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया वह 1965 के आसपास शुरू हुआ। उनकी कुछ प्रमुख पुस्तकें हैं द थ्योरी ऑफ एटॉमिक कोलिजन्स (एच।एस।डब्ल्यू। मैसी के साथ), इलेक्ट्रॉनिक प्रोसेसेस इन आयनिक क्रिस्टल्स (आर।डब्ल्यू। गुर्नी के साथ) और इलेक्ट्रॉनिक प्रोसेसेस इन नॉन-क्रिस्टलीय मैटेरियल्स (ईए डेविस के साथ)। भौतिकी अनुसंधान के अलावा, उन्होंने यूके में विज्ञान शिक्षा में सुधार में अग्रणी भूमिका निभाई, उन्होंने 1965 में कैम्ब्रिज में पगवॉश बैठक की अध्यक्षता भी की। वह 1798 से बोर्ड के अध्यक्ष और अब वैज्ञानिक प्रकाशक टेलर एंड फ्रांसिस लिमिटेड के अध्यक्ष थे। वह 1959-66 तक अपने कैम्ब्रिज कॉलेज (गोनविले और कैयस) के मास्टर थे। वह 1951 से 1957 तक इंटरनेशनल यूनियन ऑफ फिजिक्स के अध्यक्ष रहे और उनके पास लिंकोपिंग में डॉक्टर ऑफ टेक्नोलॉजी सहित बीस से अधिक मानद डिग्रियां थी। 1930 में उन्होंने रूथ एलेनोर हॉर्डर से शादी की जिससे उनकी दो बेटियां और तीन पोते-पोतियां, एम्मा, एडमंड और सिसली क्रैम्पिन हैं। उस समय वे दस सालों से अपने दामाद और परिवार के साथ पास के गांव एस्प्ले गुइस में रहें। इस अवधि के दौरान उन्होंने एक आत्मकथा ए लाइफ इन साइंस (टेलर और फ्रांसिस) और धर्म-विज्ञान इंटरफ़ेस कैन साइंटिस्ट्स बिलीव (जेम्स एंड जेम्स, लंदन), व कई वैज्ञानिक पत्रों के साथ, मुख्य रूप से उन 3 वर्षों में उन्होंने उच्च तापमान वाले सुपरकं डक्ट र्स पर शोध की। नोबेल व्याख्यान से, भौतिकी 1971-1980, संस्करण स्टिग लुंडक्विस्ट, विश्व वैज्ञानिक प्रकाशन कंपनी, सिंगापुर, 1992 के पुस्तक में उनके कार्यों के बारे में उल्लेख किया है यह आत्मकथा/जीवनी पुरस्कार के समय लिखी गई थी और पहली बार लेस प्रिक्स नोबेल पुस्तक श्रृंखला में प्रकाशित हुई थी। यह बाद में संपादित और नोबेल व्याख्यान में पुनर्प्रकाशित किया गया था। व उनका निधनः 8 अगस्त, 1996, मिल्टन कीन्स, बकिंघमशायर (उम्र 90) में हुआ लेकिन उनके वैज्ञानिक कार्यों हेतु आज भी लोग याद करते हैं। (लेखक-संजय गोस्वामी/ईएमएस)

कहीं बलि की बकरी न बन जाएँ सीतारमण

लेबनान में नसरल्लाह की मौत और जम्मू-कश्मीर तथा हरियाणा के चुनावी शोरगुल में एक बड़ी खबर दबकर रह गयी। ये खबर बहुचर्चित इलेक्टोरल बांड से जुड़ी है। इस खबर के मुताबिक बेंगलुरु में चुने हुए प्रतिनिधियों के लिए नामित मैजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश के बाद इलेक्टोरल बॉन्ड के मुद्दे पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और प्रवर्तन निदेशालय के ख़िलाफ़ जबरन वसूली और आपराधिक साज़िश का मुक़दमा दर्ज कर लिया गया है।

निर्मला सीतारमण जी इस देश की सबसे सबल और निर्मल वित्तमंत्री हैं। वे रक्षा मंत्री तो अच्छी साबित नहीं हुईं किन्तु बतौर वित्तमंत्री उन्होंने भाजपा की नयी और पुरानी सरकार के लिए ऐसे-ऐसे सीताराम बजट बनाये की सरकार की बल्ले-बल्ले हो गयी और जनता आह भी नहीं भर पायी, जबकि उसके हिस्से में सिवाय मंहगाई और करों के बोझ के अलावा कुछ नहीं आया। वे माननीय नरेंद्र दामोदर दास मोदी मंत्रिमंडल की पहली महिला सदस्य हैं जिनके खिलाफ कोई मामला दर्ज किया गया है। दरअसल ये मुकदमा तो बिट्टू के खिलाफ होना चाहिए था। उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गाँधी को देश का आतंकी नंबर वन कहा था।

आपको बता दूँ कि कोर्ट ने ये फ़ैसला आदर्श अय्यर की याचिका पर सुनाया था. आदर्श जनाधिकार संघर्ष परिषद (जेएसपी) के सह-अध्यक्ष हैं. उन्होंने मार्च में स्थानीय पुलिस को एक शिकायत दी थी जिस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। कोर्ट के आदेश के अगले ही दिन यानी शनिवार दोपहर करीब तीन बजे एफ़आईआर दर्ज की गई। जेएसपी एक ऐसी संस्था है जो शिक्षा का अधिकार क़ानून और बाक़ी मुद्दों से जुड़ी समस्याओं को उठाती रही है। कोर्ट ने अपना काम कर दिया है,अब आगे का काम पुलिस को करना है।

सब जानते हैं कि निर्मला जी बेहद ईमानदार ,वफादार और तेज-तर्रार वित्त मंत्रीं ह। ये बात अलग है कि उनके फैसलों और उनके बनाये बजटों से उनके अपने पति भी खुश नहीं होते,देश कि जनता के खुश होने कि बात तो दूर की बात है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने का फ़ैसला किया था। निर्मला सीतारमण ने कहा था कि चुनाव लड़ने के लिए उनके पास पैसों की कमी है और आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु जैसे दक्षिण के राज्यों में जीत के लिए जो मानदंड होते हैं, उन पर वह खरी नहीं उतरती हैं। उनकी बात पर यकीन करना मुश्किल है क्योंकि उनकी ही वजह से पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली के इस प्रस्ताव के जरिये सरकार इलेक्टोरल बांड के जरिये 6 हजार करोड़ से ज्यादा का चुनावी चंदा जुटाने में कामयाब हुईं थी।

यदि आप अपनी याददाश्त पर जोर डालें तो आपको याद आ जाएगा कि इलेक्टॉरल बॉन्ड या चुनावी बॉन्ड 2017 में शुरुआत से लेकर 15 फरवरी 2024 को सुप्रीम कोर्ट द्वारा असंवैधानिक घोषित किए जाने तक भारत में राजनीतिक दलों के लिए फंडिंग का एक तरीका था। इनकी समाप्ति के बाद, मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की पीठ ने भारतीय स्टेट बैंक को दानकर्ताओं और प्राप्तकर्ताओं की पहचान और अन्य विवरण भारत के चुनाव आयोग को सौंपने का निर्देश दिया, जिसे चुनाव आयोग ने अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित किया।माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने इलेक्टोरल बंद को असाम्वीधनीक तो घोषित कर दिया था लेकिन न बांड से मिले धन को राजसात करने के बारे में कुछ कहा और न किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे।

जहाँ तक मुझे याद है कि एक अनुमान के अनुसार, मार्च 2018 से अप्रैल 2022 तक की अवधि के दौरान ?9,857 करोड़ के मौद्रिक मूल्य के बराबर कुल 18,299 चुनावी बांड का सफलतापूर्वक लेन-देन किया गया। बाद में 7 नवंबर 2022 को चुनावी बॉन्ड योजना में संशोधन किया गया, ताकि किसी भी विधानसभा चुनाव वाले वर्ष में बिक्री के दिनों को 70 से बढ़ाकर 85 किया जा सके। चुनावी बॉन्ड (संशोधन) योजना, 2022 पर निर्णय गुजरात और हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनावों से कुछ समय पहले लिया गया था, जबकि दोनों राज्यों में आदर्श आचार संहिता लागू की गई थी।

ख़ुशी की बात ये है कि जो काम देश कि सर्वोच्च अदालत करना भूल गयी थी उसे बेंगलूर कि एक अधीनस्थ अदालत ने पूरा कर दिखाया। अब केंद्र के सर्वविदित हथियार ईडी और सबसे ईमानदार मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण के खिलाफ पुलिस में बाकायदा एफआईआर दर्ज की गयी है। आप कह सकते हैं कि अब आया है ऊँट पहाड़ के नीचे। अब यदि पुलिस ईमानदारी से फुर्ती के साथ मामले कि जांच कार आरोपियों को अदालत कि दहलीज पर ला खड़े करे तो एक बड़ा काम हो जाये।

कायदे से तो श्रीमती निर्मला सीतारामण जैसी ईमानदार मंत्री को ये एफआईआर दर्ज होते ही नैतिकता के आधार पर अपने पद से इस्तीफा देते हुए राजनीति से सन्यास कि घोषणा कर देना चाहिए ,लेकिन ऐसा होगा नहीं। नैतिकता से सीता जी का और उनकी पार्टी से दूर-दूर का रिश्ता नहीं है। निर्मला जी बलि कि मकरी बन रहीं है। उन्होंने तो जानबूझकर कुछ किया नहीं, जो उनसे पार्टी और सरकार ने कहा वो उन्होंने किया। वे और कर भी क्या सकती थीं। वे अपने खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद इस्तीफा दे सकतीं है लेकिन उनकी पार्टी और उनकी सर्कार के नेता ही उन्हें इस्तीफा देने नहीं देंगे।

इलेक्टोरल बांड के जरिये धन वसूली के मामले में सीता जी और ईडी के निदेशक ही नहीं बल्कि इस मामले में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और कर्नाटक बीजेपी अध्यक्ष बीवाई विजेंद्र को भी आरोपी के तौर पर नामित किया गया है बल्कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजेंद्र को भी आरोपी के तौर पर नामित किया गया है ,कर्नाटक में कांग्रेस कि सरकार ह। कांग्रेस कि सरकार हहै तो एपीआई पुलिस को सक्रिय कर इस मामले में सीता जी और ईडी के निदेशक कि गिरफ्तारी करा सकती है ,लेकिन कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया अभी खुद भ्र्ष्टाचार के एक मामले में उलझे हुए हैं।

सीता जी और ईडी प्रमुख के खिलाफ एफआईआर होने के मुद्दे का लाभ कांग्रेस और दूसरे दल हरियाणा और जम्मु-कश्मीर के विधानसभा चुनावोंमें शायद न उठा पाए लेकिन विपक्ष को मौक़ा हैकि महाराष्ट्र विधानसभा के चुनावों में वो इस मुद्दे पर सरकार और भाजपा को घेर। फ़िलहाल हमारी सहानुभूति श्रीमती निर्मला सीतारमण और ईडी के निदेशक के साथ है। (लेखक-राकेश अचल/ईएमएस)

शब्द पहेली - 8144

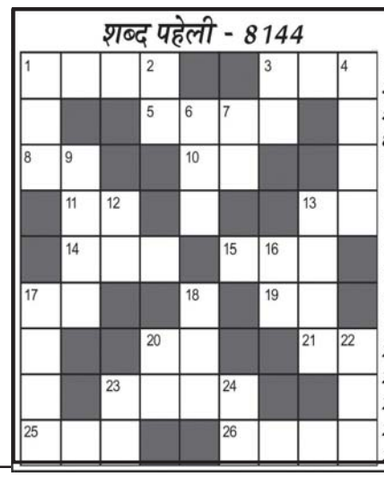

बाएँ से दाएँ

1.साले की पत्नी-4
3.उच्च कुल का -3
5.पाताल-4
8.व्यंग,चुटीली बात-2
10.दुख,कष्ट-2
11.शराब का प्याला-2
13.सत्य,तेज-2
14.जुड़वा-3
15.विश्राम,राहत-3
17.मक्का-मदीना की यात्रा-2
19.झुका हुआ-2
20.टैक्स,हाथ-2
21.होठ,अधर-2
23.सुरक्षित-4
25.नाश,विनाश,विध्वंस-3
26.निश्चित -4

ऊपर से नीचे

1.नदी-3
2.संपत्ति,धन-2
3.वंश,खानदान-2
4.उत्तमता,परिष्कृतता-4
6.समुद्र,दरिया-3
7.अंधकार-2
9.जो जायज न हो-4
12.संस्कृत में 'मेरा'-2
13.सपाट- 4
16.जांघ-2
17.पैगंबर,महापुरुष-4
18.रनिवास (उर्दू-3)
20.हुनर,फन-2
22.देह,काया-3
23.गलत का विलोम -2
24.निश्चित-2

शब्द पहेली - 8143 का हल

फि	त	र	त		स	ला	म	त
रं		त	ल	ब	गा	र		मी
गी	ला			द			ह	ज
	ल		क	न	क		म	
ध	कि	या	ना		या	या	व	र
	ता		त	म	स		त	
ऐ	ब			ना			न	न
न		ख	ल	ना	य	क		क
क	र	त	ब		म	ल	म	ल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

श्रीलंका ने दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड को एक पारी और 154 रनों से हराकर 2-0 से सीरीज जीती

गॉल (ईएमएस)। मेजबान श्रीलंका ने दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड को एक पारी और 154 रनों से हराकर दो मैचों की सीरीज 2-0 से जीत ली है। न्यूजीलैंड की टीम इस म

वैश्विक रुझान और कंपनियों के तिमाही नतीजे तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

मुंबई (ईएमएस)। वैश्विक रुझान, घरेलू मोर्चे पर वाहन बिक्री के मासिक आंकड़े और कंपनियों के तिमाही नतीजे अगले सप्ताह कम कारोबारी सत्र वाले सप्ताह के दौरान शेयर बाजार की दिशा तय करेंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। बुधवार दो अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहेंगे। बाजार के जानकारों ने कहा ?कि आगे विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के प्रवाह की निगरानी करना रोचक रहेगा। इस साल सितंबर में भारतीय शेयर बाजार में सबसे ज़्यादा एफआईआई प्रवाह देखने को मिला है। जिंस कीमतों में उतार-चढ़ाव, अमेरिका के डॉलर सूचकांक और वहां के वृहद आर्थिक आंकड़ों से भी बाजार को दिशा मिलेगी। इसके साथ ही भू-राजनीतिक घटनाक्रम वैश्विक स्तर पर एक महत्वपूर्ण कारक बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि घरेलू मोर्चे पर वाहन बिक्री के मासिक आंकड़े और कंपनियों के तिमाही नतीजों से आने वाले समय में शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। सप्ताह के दौरान विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के लिए खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) का आंकड़ा बाजार की धारणा को प्रभावित करेगा। उन्होंने यह भी कहा ?कि हमें उम्मीद है कि प्रमुख शेयरों की अगुवाई में बाजार का सकारात्मक रुख जारी रहेगा। आगे चलकर घरेलू संकेतकों के अभाव में वैश्विक कारक बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। एक अक्टूबर को जारी होने वाले वाहन बिक्री के आंकड़ों पर सभी की निगाह रहेगी। इसके अलावा एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई और एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई के आंकड़े भी महत्वपूर्ण रहेंगे। साथ ही विदेशी कोषों के प्रवाह तथा कच्चे तेल की कीमतों के उतार-चढ़ाव पर भी सभी की निगाह रहेगी। आगे निवेशकों की निगाह कंपनियों के दूसरी तिमाही के नतीजों पर रहेगी। निवेशक कंपनियों की आमदनी में सुधार की उम्मीद कर रहे हैं।

आयकर अधिनियम समीक्षा: सरकार निजी क्षेत्र और कर विशेषज्ञों से सुझाव आमंत्रित करेगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रत्यक्ष कर कानून को सरल बनाने सरकार ने अक्टूबर से आयकर अधिनियम, 1961 पर निजी क्षेत्र और कर विशेषज्ञों से सुझाव आमंत्रित करने का प्रस्ताव किया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस महीने की शुरुआत में उद्योग मंडलों के साथ बैठक में सरकार ने कहा था कि आयकर पोर्टल में एक ऐसी सुविधा बनाई जाएगी, जिसमें आयकर कानून की विभिन्न धाराओं के बारे में सुझाव दिए जा सकेंगे। इसका मकसद भाषा को सरल बनाना और मुकदमेबाजी को कम करना है। बजट घोषणा के बाद केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने छह दशक पुराने प्रत्यक्ष कर कानून की व्यापक समीक्षा और इसे संक्षिप्त, पढ़ने और समझने में सुगम बनाने के लिए एक आंतरिक समिति गठित की थी। एक सूत्र ने बताया ?कि उद्योग संघों के साथ बैठक में राजस्व विभाग ने सुझाव दिया कि आयकर कानून को फिर से तैयार करने के लिए सुझाव को लेकर अक्टूबर के पहले सप्ताह तक पोर्टल पर यह सुविधा डाली जाए। एक अन्य सूत्र ने बताया कि यह कवायद नया कर कानून या कर संहिता लिखने के लिए नहीं है। पुराने बेकार पड़ चुके प्रावधानों को हटाने से ही पृष्ठों की संख्या में करीब 100 की कमी आ सकती है। आयकर कानून की समीक्षा का उद्देश्य भाषा को सरल बनाना और मुकदमेबाजी को कम करना है। जुलाई में पेश किए गए 2024-25 के बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रस्ताव दिया था कि आयकर कानून की समीक्षा छह महीने में पूरी हो जाएगी। यह देखते हुए कि छह महीने की समयसीमा जनवरी में समाप्त हो रही है, व्यापक रूप से उम्मीद है कि संशोधित आयकर अधिनियम संसद के बजट सत्र में लाया जा सकता है।

बलूचिस्तान प्रांत में हमलावरों ने मजदूरों को गोलियों से भूना,

ईस्लामाबाद,(ईएमएस)। पाकिस्तीन के दक्षिण पश्चिम बलूचिस्तान प्रांत में हुए हमले में सात मजदूरों की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट में प्रांतीय सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि हमला प्रांत के पंजगुर जिले में शनिवार रात को किया गया।

प्रवक्ताने बताया कि मजदूर काम के लिए अस्थायीरूपसेएक स्थानीय ठेकेदार केघर में सो रह रहे थे, जिस पर हमलावरोंने हमला कर दिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मृतक पूर्वी पंजाब प्रांत के रहने वाले मजदूर थे। उन्होंने बताया कि घटना के बाद हमलावर मौके सेफरार हो गए। अभी तक किसी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफनेहमलेकीनिंदा कीहै और बलूचिस्तान के सीएम को अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए हर संभव कोशिश करने का निर्देश दिया।

नवरात्र से पहले 2 से 3 रुपए सस्ता हो सकता है पेट्रोल-डीजल

नई दिल्ली (ईएमएस)। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में राहत मिलने के संकेत नजर आ रहे हैं। दरअसल कच्चे तेल की कीमतों में हाल के सप्ताहों में आई कमी से पेट्रोलियम कंपनियों के वाहन ईंधन पर मुनाफे में सुधार हुआ है। इससे सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को पेट्रोल तथा डीजल की कीमतों में 2 से 3 रुपये प्रति लीटर की कटौती करने की गुंजाइश मिली है। एक रेटिंग एजेंसी ने ये जानकारी दी है। भारत द्वारा आयातित कच्चे तेल की कीमत सितंबर में औसतन 74 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल थी, जो मार्च में 83-84 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल थी। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आखिरी बार दो रुपये प्रति लीटर की कटौती की गई थी। इक्रा ने एक नोट में कहा गया है ?कि कच्चे तेल की कीमतों में कमी के साथ हाल के सप्ताहों में भारतीय पेट्रोलियम विपणन कंपनियों (ओएमसी) के लिए मोटर वाहन ईंधन की खुदरा बिक्री पर विपणन मुनाफे में सुधार हुआ है। रेटिंग एजेंसी का अनुमान है कि यदि कच्चे तेल की कीमतें वर्तमान स्तर पर स्थिर रहीं तो खुदरा ईंधन कीमतों में कमी की गुंजाइश है। एजेंसी के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा ?कि अनुमान लगाया जा रहा है कि 17 सितंबर तक अंतरराष्ट्रीय उत्पाद कीमतों की तुलना में ओएमसी की शुद्ध प्राप्ति पेट्रोल के लिए 15 रुपये प्रति लीटर और डीजल के लिए 12 रुपये प्रति लीटर अधिक रही। इन ईंधन के खुदरा बिक्री मूल्य (आरएसपी) मार्च, 2024 से यथावत हैं और ऐसा प्रतीत होता है कि अगर कच्चे तेल की कीमतें स्थिर रहती हैं तो उनके दो से तीन रुपये प्रति लीटर की कमी करने की गुंजाइश है। कच्चे तेल की कीमतों में पिछले कुछ महीनों में भारी गिरावट देखी गई है, जिसका मुख्य कारण कमजोर वैश्विक आर्थिक वृद्धि और उच्च अमेरिकी उत्पादन है। वहीं ओपेक एवं सहयोगी देशों ने गिरती कीमतों से निपटने के लिए अपने उत्पादन कटौती को वापस लेने के अपने फैसले को दो महीने के लिए आगे बढ़ा दिया। वहीं र?विवार को दिल्लीमेंपेट्रोल 94.72 रुपये प्र?ति?लिटर, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये रुपये प्र?ति?लिटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये रुपये प्र?ति?लिटर, चेन्नई में पेट्रोल100.75 रुपये रुपये प्र?ति?लिटर है। वहीं दिल्ली में डीजल 87.62 रुपये रुपये प्र?ति?लिटर, मुंबई में डीजल 92.15 रुपये रुपये प्र?ति?लिटर, कोलकाता में डीजल 91.76 रुपये रुपये प्र?ति?लिटर और चेन्नई में डीजल 92.34 रुपये रुपये प्रतिलिटर है।

शेयर बाजार में गिरावट के संकेत: निवेशकों को सतर्क रहना होगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार में हालिया हलचल ने निवेशकों के बीच चिंता का माहौल बना दिया है। जब लंबे समय तक बाजार लगातार बढ़ता है, तो निवेशकों को लगता है कि यह वृद्धि स्थायी होगी। लेकिन बीते शुक्रवार को बाजार में गिरावट देखने को मिली, जिससे कुछ महत्वपूर्ण संकेत मिले हैं, जिन्हें नजरअंदाज करना किसी भी निवेशक के लिए खतरनाक हो सकता है।1. उच्च पीई रेश्यो की चिंता: भारतीय शेयर बाजार के निफ्टी इंडेक्स का प्राइस टू अर्निंग (पीई) रेश्यो वर्तमान में अपने उच्चतम स्तरों पर है। हाल ही में यह 24 से 25 के बीच मंडरा रहा है, जो बाजार के ओवर-वैल्यूएशन का संकेत है। 27 सितंबर 2024 को निफ्टी50 का पीई रेश्यो 24.34 था। 2023 में, 17 से 20 जुलाई के बीच यह रेश्यो 24 के ऊपर था, जिसके बाद निफ्टी50 में गिरावट शुरू हुई थी। आमतौर पर जब किसी इंडेक्स का पीई रेश्यो इतना बढ़ जाता है, तो निवेशकों को सतर्क हो जाना चाहिए क्योंकि इसका मतलब है कि स्टॉक्स की कीमतें उनकी कमाई के मुकाबले अधिक हैं।

2. म्यूचुअल फंड्स का कैश प्रबंधन: म्यूचुअल फंड्स के बड़े खिलाड़ी इस समय भारी मात्रा में नकदी रख रहे हैं। अगस्त 2024 में म्यूचुअल फंड्स के पास कुल 1.86 लाख करोड़ रुपये का कैश था, जो उनकी कुल संपत्ति का 5.20 फीसदी है। पिछले महीने यह आंकड़ा 1.71 लाख करोड़ रुपये था। कैश होल्डिंग का बढ़ना यह संकेत देता है कि फंड मैनेजर्स संभावित गिरावट के प्रति सतर्क हैं।

एसबीआई म्यूचुअल फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल और एचडीएफसी म्यूचुअल फंड जैसे बड़े हाउस ने अपने पोर्टफोलियो में भारी कैश रखा है, जो यह दर्शाता है कि वे बाजार में गिरावट के संकेतों को गंभीरता से ले रहे हैं। 3. चीन की नीतियों का प्रभाव: चीन की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए हाल ही में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं, जो भारतीय बाजार को भी प्रभावित कर सकते हैं। चीन ने अपने रेजर्व रिसर्व रेश्यो को कम किया है, जिससे बैंकों के पास अधिक धन लोन देने के लिए उपलब्ध हो गया है।

इसके अलावा प्रॉपर्टी मार्केट को सहारा देने के लिए डाउन पेमेंट की राशि को भी कम किया गया है। इन उपायों से चीन के शेयर बाजारों में रौनक देखने को मिली है। अगर विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) चीन में अधिक निवेश करना शुरू करते हैं, तो यह भारतीय बाजार में फंडिंग की कमी का कारण बन सकता है, जिससे यहाँ गिरावट आ सकती है। इन तीनों कारणों के मद्देनजर, विशेषज्ञों ने निवेशकों को सतर्क रहने की सलाह दी है। यदि बाजार में गिरावट आती है, तो निवेशकों को सही समय पर निर्णय लेने की आवश्यकता होगी। निवेशकों को चाहिए कि वे अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करें और बाजार की मौजूदा स्थिति के अनुसार सही रणनीति बनाएं।

बीते सप्ताह कम आपूर्ति, त्योहारी मांग से तेल-तिलहन कीमतों में सुधार

- सोयाबीन डीगम तेल 1,050-1,060 से बढ़कर 1,065-1,070 डॉलर प्रति टन हो गया

नई दिल्ली (ईएमएस)। बीते सप्ताह आपूर्ति घटने के बीच त्योहारी मांग बढ़ने से देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में सरसों, मूंगफली, सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल जैसे सभी तेल-तिलहन के दाम सुधार के साथ बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह में आयातित खाद्य तेलों के दाम में सुधार देखा गया। पिछले सप्ताह के मुकाबले समीक्षाधीन सप्ताह में सूरजमुखी तेल का दाम पहले के 1,095-1,100 डॉलर प्रति टन से बढ़कर 1,120-1,125 डॉलर प्रति टन हो गया। इसी प्रकार सोयाबीन डीगम तेल का दाम 1,050-1,060 डॉलर प्रति टन से बढ़कर 1,065-1,070 डॉलर प्रति टन और सीपीओ का दाम 1,090-1,100 डॉलर प्रति टन से बढ़कर 1,035-1,040 डॉलर प्रति टन हो गया। इस तेजी का असर बाकी सभी तेल-तिलहन कीमतों पर हुआ जो खाद्य तेलों में सुधार का मुख्य कारण है। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 100 रुपये बढ़कर 6,775-6,825 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 150 रुपये बढ़कर 14,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 20-20 रुपये की मजबूती के साथ क्रमशः 2,195-2,295 रुपये और 2,195-2,310 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। सोयाबीन दाने और लूज का भाव क्रमशः 55-55 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 4,885-4,935 रुपये प्रति क्विंटल और 4,660-4,795 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 550 रुपये, 400 रुपये और 350 रुपये बढ़कर क्रमशः 13,400 रुपये, 12,850 रुपये और 9,600 रुपये क्विंटल पर बंद हुए। मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में भी पिछले सप्ताहांत के मुकाबले सुधार का रुख रहा। मूंगफली तिलहन 100 रुपये की तेजी के साथ 6,450-6,725 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 125 रुपये के सुधार के साथ 15,225 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 30 रुपये की मजबूती के साथ 2,300-2,600 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। मांग बढ़ने और कम आपूर्ति की स्थिति के कारण कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 450 रुपये की तेजी के साथ 12,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 550 रुपये के सुधार के साथ 13,700 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 575 रुपये के सुधार के साथ 12,825 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल 750 रुपये के सुधार के साथ 12,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

भारत और बांग्लादेश के बीच तीसरे दिन का खेल भी बारिश से धुला

कानपुर (ईएमएस)। भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरे क्रिकेट टेस्ट के तीसरे दिन का खेल भी बारिश के कारण रद्द हो गया। बारिश के कारण तीसरे दिन भी एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी। सुबह आउटफील्ड गीला होने के कारण मैच पहले लंच तक के लिए स्थगित कर दिया गया। मैदानकर्मियों ने 11.15 के आसपास बारिश रूकने पर तीन सुपर सोपर्स लगाए पर इसके बाद भी मैदान नहीं सूखा। रोशनी भी कम थी इसलिए सवा 2 बजे मैच अधिकारियों ने निरीक्षण के बाद खेल रद्द कर दिया। वहीं इससे पहले दूसरे दिन का खेल भी बारिश के कारण एक भी गेंद फेंके बगैर रद्द कर दिया गया था। आज तीसरे दिन भी सुबह हल्की बारिश हो रही थी। इसके कारण मैच शुरु होने के समय को लगातार आगे बढ़ाया गया पर जब खेल होने की कोई संभावना नहीं दिखी तो इसे रद्द करने के अलावा कोई चारा नहीं बचा।

वहीं मौसम विभाग के अनुसार सोमवार और मंगलवार को आसमान साफ रहने की संभावन है। ऐसे में दो दिन बचे होने के कारण मैच ड्रॉ होना तय लग रहा है। पहले दिन बांग्लादेश ने तीन विकेट पर 107 रन बनाए थे और 35 ओवर ही फेंके जा सके थे उसके बाद बारिश के कारण खेल नहीं हो पाया। भारतीय टीम दो मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे है।

नसरल्लाह की मौत की रुस-चीन ने की निंदा

शंघाई,(ईएमएस)। लेबनान के हिजबुल्लाह प्रमुख हसन नसरल्लाह की इजरायली हमलों में मौत की खबर ने मध्य पूर्व और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को हिलाकर रख दिया है। इजरायल ने अत्याधुनिक एफ-35 लड़ाकू विमानों से हिजबुल्लाह के मुख्यालय पर 80 टन बम गिराए, जिससे नसरल्लाह और अन्य प्रमुख नेताओं की मौत हो गई। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसे बदला करार दिया, जो हमास द्वारा इजरायल पर किए गए हमले का जवाब था।

इस घटना के बाद चीन और रूस ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। चीन ने इसे लेबनान की संप्रभुता का उल्लंघन बताते हुए इजरायली की कार्रवाई की निंदा की और क्षेत्र में युद्ध को फैलने से रोकने के लिए तत्काल प्रयास करने का आग्रह किया है। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि सभी पक्षों को बिना देरी किए हिंसा रोकनी चाहिए। खासकर लेबनान और गाजा में।

रूस ने भी इस हमले की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि यह एक राजनीतिक हत्या है और इसके गंभीर परिणामों होने की चेतावनी भी दी। वहीं तुर्किये ने भी इजरायली की इस कार्रवाई की निंदा की है। नसरल्लाह की मौत के बाद हिजबुल्लाह और इजरायल के बीच संघर्ष और तेज हो सकता है। यह घटना मध्य पूर्व में पहले से ही तनावपूर्ण स्थिति को और भड़का सकती है, जहां इजरायल और हमास के बीच भीषण संघर्ष जारी है। इजरायल ने अत्याधुनिक एफ-35 लड़ाकू विमानों से हिजबुल्लाह के मुख्यालय पर 80 टन बम गिराए, जिससे नसरल्लाह और अन्य प्रमुख नेताओं की मौत हो गई। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसे बदला करार दिया,

इजराइल का दावा यासीन भी मारा गया

येरुशलम,(ईएमएस)।इजरायल ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण सैन्य कार्रवाई के तहत हिज्बुल्लाह के टॉप कमांडर हसन खलील यासीन को बेरूत के दक्षिणी उपनगर में हवाई हमले में मार गिराने का दावा किया है। इजराइली रक्षा बल (आईडीएफ) के अनुसार, यासीन हिज्बुल्लाह के खुफिया विभाग की एक यूनिट का नेतृत्व कर रहा था, जो इजराइल पर हमलों की योजना बना रही थी।

आईडीएफ का कहना है कि यासीन हिज्बुल्लाह की मिसाइल और ड्रोन यूनिट्स के साथ मिलकर काम करता था और पिछले संघर्षों में नागरिकों और सैनिकों के खिलाफ आतंकी साजिशों में शामिल था। इजरायली अधिकारियों का दावा है कि उसने इजराइल पर आगामी हमलों की योजना बनाई थी। इस घटनाक्रम से क्षेत्र में तनाव और बढ़ने की आशंका है, और ईरान ने हिज्बुल्लाह के खिलाफ बढ़ते तनाव को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की तत्काल बैठक का आह्वान किया है। वहीं दूसरी तरफ हिज्बुल्लाह ने काऊक की मौत पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, लेकिन उनके समर्थक शोक संदेश पोस्ट कर रहे हैं। यह स्थिति दोनों पक्षों के बीच मौजूदा संघर्ष को और बढ़ा सकती है।

हर बार मौत को मात देता आया....ये दुनिया का सबसे भाग्यशाली व्यक्ति

लंदन (ईएमएस)। जाको रखे साईयां मार सके ना कोई... शायद यह कहावत शख्स के लिए बनी है। दरअसल हम बात कर रहे हैं फ्रैन सेलाक की, जो कि क्रोएशिया के एक बुजुर्ग हैं, को दुनिया का सबसे भाग्यशाली व्यक्ति माना जाता है। उनकी ज़िंदगी एक फिल्मी स्क्रिप्ट की तरह है, जिसमें लगातार भयानक घटनाओं का सामना करने के बावजूद वे हर बार मौत को मात दे देते हैं। सेलाक का जन्म 1929 में हुआ और वे एक संगीत शिक्षक के रूप में एक सामान्य जीवन जीते थे, लेकिन उनकी ज़िंदगी में तब बदलाव आया जब उन्होंने पहली बार 1957 में एक बस दुर्घटना का सामना किया, जिसमें उनकी बस नदी में गिर गई। इसके बाद, उन्होंने कई और खतरनाक घटनाओं का सामना किया, जैसे एक ट्रेन दुर्घटना जिसमें ट्रेन पटरी से उतरकर नदी में गिर गई, और दो कारों के ब्लास्ट में भी वे बच गए।

सबसे चौंकाने वाला पल तब आया जब उनका एक विमान क्रैश हो गया, लेकिन वे घास के ढेर पर गिरने के कारण बच गए। इन सभी घटनाओं के बाद, सेलाक को दुनिया का सबसे लकी आदमी माना जाने लगा। हालांकि, उनकी किस्मत ने एक और मोड़ लिया जब साल 2000 में उन्होंने लॉटरी में करीब 1 मिलियन डॉलर (लगभग 8.36 करोड़ रुपये) जीत लिए। उन्होंने इस धन का अधिकांश हिस्सा दोस्तों और परिवार को दे दिया, और एक शानदार घर खरीदा। हालांकि, बाद में उन्होंने घर बेचकर एक साधारण जीवन जीने का फैसला किया और अब अपनी पांचवीं पत्नी के साथ रह रहे हैं। फ्रैन सेलाक की कहानी इस बात का सबूत है कि जीवन में कितनी भी विपरीत परिस्थितियाँ क्यों न हों, अंततः किस्मत आपके साथ हो सकती है।

हानिया, सिनवार और नसरल्लाह के खात्मे के बाद अब किसका नंबर है?

तेहरान,(ईएमएस)। नसरल्लाह की हत्या के बाद ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामनेई ने खुद को सुरक्षित जगह पर छिपा लिया है, जिससे यह संकेत मिलता है कि उन्हें भी इजरायली हमलों का डर सताने लगा है। अब देखना होगा कि इजरायल गाजा और लेबनान के बाद अपने सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी ईरान पर भी हमला करता है या नहीं। इजरायल और ईरान के बीच लंबे समय से चल रही अदावत से दुनिया वाकिफ है, और इस नई घटना ने इस संघर्ष को और भी तीव्र बना दिया है। अब सवाल उठने लगा है कि आखिरकार हानिया,सिनवार और नसरल्लाह के बाद अब इजरायल की रडार पर कौन है।

नसरल्लाह की मौत के बाद अब यह सवाल उठ रहा है कि क्या इजरायल अपने दुश्मन ईरान से भी बदला लेगा, क्योंकि हिजबुल्लाह और हमास को पर्दे के पीछे से समर्थन देने वाला मुख्य खिलाड़ी ईरान ही है। हिजबुल्लाह के साथ लंबे समय से जुड़े नसरल्लाह ने संगठन को बेहद ताकतवर बनाया था, और ईरान के साथ उसके गहरे संबंध थे। नसरल्लाह की मौत के बाद, इजरायल के लिए राहत की सांस लेना स्वाभाविक है, क्योंकि हिजबुल्लाह अब एक बड़े झटके का सामना कर रहा है। इजरायल इससे पहले हमास के चीफ इस्माइल हानिया और याह्या सिनवार को भी मार चुका है, जिससे हमास की शक्ति को भी काफी कमजोर कर दिया गया था। 7 अक्टूबर के हमलों के बाद से इजरायल अपने दुश्मनों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रहा है, और अब उसने हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह को मौत के घाट उतार दिया है। इजरायली सेना द्वारा की गई एयरस्ट्राइक में नसरल्लाह की मौत की पुष्टि खुद हिजबुल्लाह ने भी की है। नसरल्लाह का मारा जाना इजरायल के लिए एक बड़ी जीत मानी जा रही है, क्योंकि वह इजरायल का प्रमुख दुश्मन था और पिछले कई दशकों से लेबनान और ईरान की मदद से इजरायल के खिलाफ मोर्चा संभाले हुए था।

वीडियो वायरल : कनाडा में ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने वालों की लाइन

कनाडा में ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए लगी भारतीयों की लाइन से चीनी लड़की हैरान

ओटावा(ईएमएस)। कनाडा में भारतीयों की संख्या लगातार बढ़ती जा रहा ही है। यहां ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए भारतीयों की लंबी कतार लगी हुई थी। इसका वीडियो वायरल हुआ है। जिसमें चीनी लड़की कनाड़ा में भारतीयों की संख्या देखकर हैरान है। इस वीडियो को सोशल मीडिया साइट एक्स पर शेयर किया गया है, जहां यह तेजी से चर्चा में आ गया है।

वीडियो में लड़की कनाडा में ड्राइविंग लाइसेंस टेस्ट सेंटर के बाहर खड़ी है और वहां मौजूद भारतीयों की संख्या को देखकर अपनी हैरानी जताती है। वीडियो में लड़की कहती है, यह ऐसा लगता है मानो मैं कनाडा में नहीं, बल्कि भारत में हूं। यह भयानक है। मैं ड्राइविंग लाइसेंस टेस्ट वाली जगह पर हूं और यहां हर तरफ भारतीय ही नजर आ रहे हैं। वीडियो में उसने वहां इंतजार कर रहे लोगों की तस्वीरें भी दिखाईयह वीडियो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो गया है और इसे अब तक 2.8 मिलियन से ज्यादा बार देखा जा चुका है।

हालांकि, इस वीडियो पर प्रतिक्रियाएं मिली-जुली रही हैं। कुछ यूजर्स ने लड़की के बयान को विडंबनापूर्ण बताया, क्योंकि कनाडा में चीनी अप्रवासियों की संख्या भी काफी अधिक है। एक यूजर ने लिखा, मैं कुछ साल पहले वैंकूवर गया था, वहां की 40 प्रतिशत आबादी चीनी अप्रवासी है, तो शायद उसे भी घर लौट जाना चाहिए। वहीं, दूसरे यूजर्स ने कनाडा में प्रवासियों के मुद्दे पर हो रही बहस का जिक्र किया, जिसमें आवास की कमी और रहने की बढ़ती लागत जैसी समस्याओं के लिए अप्रवासियों को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है।

अब 6 खिलाड़ी रिटेन कर सकेंगी आईपीएल टीमें : गवर्निंग काउंसिल

बेंगलुरू (ईएमएस)। आईपीएल की गवर्निंग काउंसिल ने रिटेंशन पॉलिसी में बड़ा बदलाव किया है। इसके तहत ही अब फ्रेंचाइजी को अपनी पिछली टीम से 4की जगह पर 6 खिलाड़ियों को रिटेन (बरकारार) रख सकेंगी। इसमें नीलामी का एक 'राइटटू मैच' (आरटीएम) कार्ड भी शामिल रहेगा। इसकी कीमत 120 करोड़ रुपये के बढ़े हुए टीम पर्स में से 75 करोड़ रुपये होगी। इससे पहले साल 2022 मेंआयोजित पिछली मेगा नीलामी में एक टीम को अधिकतम चार खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति दी गयी थी। फ्रेंचाइजी को अगले सत्र के लिए 'नीलामी के साथ ही रिटेनशन' के लिए 120 करोड़ रुपये की रकम के अलावा 12.60 करोड़ रुपये की अतिरिक्त रकम भी आवंटित करनी होगी। बीसीसीआई के एक अधिकारी के अनसार पहले रिटेनशन का खर्चा 18 करोड़ रुपये होगा। उसके बाद 14 करोड़ रुपये की दूसरी और 11 करोड़ रुपये की तीसरी रिटेनशन राशि रहेगी। वहीं अगर कोई फ्रेंचाइजी चौथे और पांचवें रिटेनशन का विकल्प चुनती है तो उन्हें फिर से 18 करोड़ रुपये और 14 करोड़ रुपये अदा करने होंगे।'

उन्होंने कहा, 'इसलिए कोई भी फ्रेंचाइजी अगर सभी पांच रिटेनशन का विकल्प रखती है तो उसके पास खरीदने के लिए केवल 45 करोड़ रुपये रहेंगे। यहां तक कि वह अपने आरटीएम कार्ड का उपयोग करके भी अन्य 15 खिलाड़ी खरीदकर एक टीम तैयार कर सकती है। भारतीय और विदेशी रिटेनशन को लेकर कोईसीमाहींहै।'अधिकांश मजबूत फ्रेंचाइजी छहसे आठ खिलाड़ियों को रिटेन करनेकेपक्षमें थीं जबकि कुछ अन्य फ्रेंचाइजी के पास ज्यादा बड़े खिलाड़ी नहीं थे इसलिए वह इसका विरोध कर रहे थे।

इसके अलावा विवादास्पद 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम को भी बनाये रखा गया है। इस नियम को आईपीएल 2023 के दौरान पेश किया गया था और तब से ही इस नियम पर आम राय नहीं बन पायी थी और इसके विरोधियों का कहना था कि इससे ऑलराउंडरों का महत्व कम हो गया था।

चिराग पासवान की पार्टी झारखंड विधानसभा का चुनाव लड़ेगी

धनबाद (ईएमएस)। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने धनबाद में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा है कि उनकी पार्टी झारखंड विधानसभा का चुनाव लड़ेगी।

हालांकि, चिराग पासवान ने अभी यह साफ नहीं किया कि पार्टी अकेले चुनाव लड़ेगी या गठबंधन में लड़ेगी। उन्होंने कहा कि, सभी विकल्पों पर विचार किया जा रहा है।

चिराग पासवान ने मीडिया से बातचीत में कहा कि, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव में अपनी अहम भूमिका देखती है। फिलहाल के वर्षों में संगठन के स्तर पर पार्टी मजबूत हुई है। मेरे नेता और मेरे पिता रामविलास पासवान जी का झारखंड में एक मजबूत जनाधार है। उन्होंने कहा कि मेरा जब जन्म हुआ था तब झारखंड और बिहार एक ही राज्य था। उस तरह से मेरी जन्मभूमि भी झारखंड है। रामविलास पासवान जी की कर्मभूमि भी झारखंड है। ऐसे में मैं पिता के उस सपने को पूरा करने के लिए निकला हूं जिसमें उन्होंने विकसित झारखंड के निर्माण को अपना लक्ष्य बनाया था।

चिराग ने कहा कि, हम इस सोच के साथ आगे बढ़ रहे हैं कि आने वाले झारखंड विधानसभा चुनाव में पार्टी मजबूती से अपना प्रदर्शन करे। चुनाव गठबंधन में लड़ेंगे या अकेले, इसका फैसला राज्य इकाई को करना है। राज्य स्तर पर अभी बातचीत चल रही है। मैं मानता हूं कि नोटिफिकेशन आते-आते यह स्थिति स्पष्ट हो जाएगी कि हम गठबंधन में या फिर अकेले चुनाव लड़ेंगे।

चिराग पासवान का यह बयान इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि एक दिन पहले ही शनिवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने घोषणा की थी कि बीजेपी झारखंड में आगामी विधानसभा चुनाव एनडीए के घटक दलों 'ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) और जनता दल-यूनाइटेड (जेडीयू) के साथ मिलकर लड़ेगी।

नेपाल में भूस्खलन और बाढ़ से 66 की मौत, कई लोग लापता

काठमांडू,(ईएमएस)। नेपाल में मूसलाधार बारिश से भूस्खलन और बाढ़ ने भारी तबाही मचा दी है। गृह मंत्रालय ने जानकारी देते हुए बताया कि इसमें 66 लोगों की मौत हुई और 60 लोगों के घायल होने की खबर है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ऋषिराम तिवारी ने एक बयान में कहा कि 69 लोग लापता हैं। सबसे ज्यादा नुकसान काठमांडू घाटी में हुआ है। यहां 34 लोगों की मौत हुई है। सुरक्षा बलों ने तीन हजार से ज्यादा लोगों का रेस्क्यू किया है। सरकार ने घायलों को मुफ्त इलाज और इस तबाही में सिर से छत गंवा चुके लोगों के लिए जल्द पुनर्वास का काम शुरू करने का फैसला लिया है। उन्होंने आगे कहा कि देश के कई हिस्सों में राजमार्ग और पुल भी नष्ट हो गए हैं। राजमार्गों को साफ करना सरकार की पहली प्राथमिकता है।

नेपाल पुलिस ने कहा कि प्राकृतिक आपदा से देश के बाकी हिस्सों से काठमांडू से जोड़ने वाले राजमार्गों सहित करीब सभी राजमार्ग पर आवागमन ठप हो गया है। भूस्खलन की वजह से काठमांडू के सभी प्रवेश मार्ग अवरुद्ध हो गए हैं। नेपाल के शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इस बीच सभी राज्य सरकारों से रविवार से तीन दिन के लिए स्कूल बंद रखने और मंगलवार तक सभी विश्वविद्यालय स्तर की परीक्षाओं को स्थगित करने का अनुरोध किया है।

नेपाल में इस साल मानसून में औसत से ज्यादा बारिश हुई है। उफनती नदियों से काठमांडू के कुछ हिस्सों में पानी भर गया है। कई घर डूब गए हैं और लोगों को ऊपरी मंजिल पर जाना पड़ा है। चार लोगों को लेने के लिए सेना के हेलीकॉप्टर का इ

वडोदरा शहर में भारी बारिश से कई इलाके जलमग्न, शहर में पांच इंच बारिश हुई

वडोदरा,29 सितम्बर,

पिछले महीने विश्वामित्री नदी के कारण वडोदरा शहर में बाढ़ आ गई थी. जिसमें वडोदरा शहर की हालत काफी मुश्किल हो गई थी. कई घरों और सोसायटियों में पानी भर गया और काफी नुकसान हुआ. बड़ी संख्या में गाड़ियां पानी में डूब गईं. फिर आज (29 सितंबर) वडोदरा में सुबह बादल छाए रहने के बाद दोपहर में बिजली चमकने के साथ तेज बारिश हुई. वडोदरा शहर में पांच इंच बारिश हुई और कई इलाके जलमग्न हो गये. कारेलीबाग, रावपुरा, सयाजीगंज, अलकापुरी समेत इलाकों में भारी बारिश हुई है. भारी बारिश के कारण शहर के कई निचले इलाकों में पानी भर गया और यातायात प्रभावित हुआ. शहरवासियों को एक बार फिर विश्वामित्री बाढ़ का डर सताने लगा है. बारिश के कारण लोगों ने शहर के पुलों पर अपनी कारों सहित अन्य वाहन पार्क कर दिए हैं।

वडोदरा के वडसर से कोटेश्वर तक सड़क पर विश्वामित्री नदी उफान पर है. चूँकि अब आख़िरकार ञ्श्ण को थोड़ा सक्रिय कर दिया गया है। वीएमसी नदी किनारे, निचले इलाकों के लोगों से सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील कर रही है। कोटेश्वर गांव और कंसा रेजीडेंसी सहित क्षेत्र संपर्क रहित हो गए हैं। इसलिए फंसे हुए लोगों का रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है. ऊपरी इलाकों में भारी बारिश के कारण विश्वामित्री नदी में पानी का प्रवाह बढ़ रहा है. इससे विश्वामित्री का जल स्तर 20 फीट तक बढ़ गया है, जिसकी चिंताजनक सतह 24 फीट है। ऊपरी इलाकों में हो रही बारिश के कारण झील में भारी पानी की आवक हो रही है. बारिश रुकने के बाद कुछ इलाकों में पानी भर गया है.जैसे-जैसे नवरात्रि नजदीक आ रही है, वडोदरा के खलैया और गरबा आयोजक चिंतित हैं, क्योंकि कई गरबा मैदान भी तालाब में तब्दील हो गए हैं। नवलखी मैदान, वीएनएफ गरबा ग्राउंड में पानी भर गया है. गरबा आयोजकों की मेहनत पर पानी फिर गया है. आयोजकों की चिंता बढ़ रही है. ज़मीन पानी और कीचड़ से ढकी हुई है।

भारी बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। शहर के कुछ इलाकों में बेड़ियाँ भी चल रही थीं। इसकी शुरुआत आज दोपहर 12:00 बजे के बाद हुई. इस बारिश से लोगों को डर था कि कहीं फिर से बाढ़ न आ जाए. इस बीच, वडोदरा नगर निगम आयुक्त सतर्क रहने का दावा कर रहे हैं।

लेकिन महज 3.5 इंच बारिश में ही वडोदरा पानी-पानी हो गया. उत्तरी क्षेत्र नगर निगम कार्यालय के बाहर पानी भर गया है. निगम खुद अपने कार्यालय के बाहर जलजमाव नहीं रोक सका तो शहर में जलजमाव कैसे रोक पायेगा. निगम की ओर से पहले किए गए दावे खोखले साबित हुए हैं। बाढ़ के बाद वीएमसी ने कहा था कि वह निगरानी रखेगी ताकि पानी ओवरफ्लो न हो... वो बातें सिर्फ बातें ही रह गईं. भीषण बाढ़ की स्थिति के बाद भी वीएमसी में सुधार नहीं हुआ है. लोगों की मांग है कि तालाबों की सफाई की जाये और नदियों व झीलों के पास दबाव को दूर किया जाये.

पिछले महीने विश्वामित्री बाढ़ से बड़े पैमाने पर क्षति हुई क्योंकि पानी घरों और दुकानों में घुस गया। फिर पानी दुकानों तक पहुंच गया और दुकानदार छुट्टी के दिन भी भागने लगे। बाढ़ के दौरान दुकानदारों को हुए व्यापक नुकसान की पुनरावृत्ति से बचने के लिए दुकानदार अपना सामान बचाने के लिए दुकानों में पहुंचे। सड़क बनाते समय ठेकेदार पुरानी सड़क को नहीं खोदते। हयात रोड के ठीक ऊपर एक नई सड़क बनाई गई है। जैसे-जैसे सड़कों पर परत दर परत डामर डाला जाता है, सोसायटियों में लोगों के घरों और सड़कों का स्तर एक समान हो गया है। इसके कारण हल्की बारिश में भी घरों में पानी भर जाता है। मुख्य सड़कें भी इसी तरह बनी होने से पानी सोसायटियों में घुस जाता है। और वाहनों और घरेलू सामानों को नुकसान पहुंचा।

वडोदरा में भारी बारिश के कारण शहर के रावपुरा डांडिया बाजार, चार दरवाजा, अकोटा, सुभानपुरा इलाकों में पानी भर गया है. वाघोडिया रोड इलाके में जल-बमबारी की स्थिति बन गई है। इसके साथ ही विश्वामित्री का जलस्तर 20 फीट को पार कर गया है. दूसरी ओर, स्थानीय पार्षद लोगों की मदद के लिए सामने आए हैं ताकि पिछली बार जैसी गलती न हो और लोगों के गुस्से का शिकार न होना पड़े। मौसम विभाग का पूर्वानुमान मौसम विभाग ने 29 सितंबर को पूरे राज्य में हल्कीसे मध्यम बारिश की संभावना जताई है. वडोदरा, छोटा उदेपुर, भरूच, नर्मदा, सूरत, तापी, डांग, नवसारी, वलसाड जिलों के कई स्थानों पर गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है।

पिछले 24 घंटे में 186 तालुकाओं में मेघराजा का हमला, वडोदरा में पानी बम!

वडोदरा 29 सितंबर

राज्य में जहां पिछले कुछ दिनों से बारिश का मौसम बना हुआ है, वहीं सौराष्ट्र समेत मध्य और दक्षिण गुजरात के कुछ इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश हो रही है. इस बीच, राज्य में पिछले 12 घंटों में 103 तालुकाओं और पिछले 24 घंटों में 186 तालुकाओं में बारिश दर्ज की गई है। आइए जानते हैं कहां और कैसी भारी बारिश।

भावनगर, वडोदरा समेत राज्य के कुछ इलाकों में फिर से मेघराजा ने दस्तक दी है, सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक 103 तालुकाओं में बारिश हुई है. जिसमें सबसे ज्यादा बारिश वडोदरा में 3.78 इंच और वडोदरा के पादरा में 2.87 इंच बारिश हुई है. जबकि नर्मदा के डेडियापाला में 2.09 इंच, गिर सोमनाथ के गिर गढ़ा में 1.89 इंच और ऊना में 1.73 इंच, अरावली के भिलोडा में 1.57 इंच, बोटाद के बरवाला में 1.38 इंच बारिश हुई। जिसमें 15 तालुका में 1 इंच से ज्यादा बारिश हुई है.

वडोदरा में भारी बारिश के कारण शहर के रावपुरा डांडिया बाजार, चार दरवाजा, अकोटा, सुभानपुरा इलाकों में पानी भर गया है. वाघोडिया रोड इलाके में जल-बमबारी की स्थिति बन गई है। इसके अलावा भावनगर, आणंद, गिर सोमनाथ, बोटाद, सुरेंद्रनगर समेत कई जिलों के कई इलाकों में अच्छी बारिश हुई है.

मौसम विभाग ने 5 सितंबर तक हल्की से मध्यम बारिश की भविष्यवाणी की है, जबकि 30 सितंबर को सूरत, वलसाड, डांग, तापी, नवसारी, वडोदरा, भरूच, छोटा उदेपुर सहित दक्षिण गुजरात के कई स्थानों पर गरज के साथ हल्की से भारी बारिश की भविष्यवाणी की गई है। ,नर्मदा जिले।

जबकि सौराष्ट्र के अहमदाबाद, आणंद, खेड़ा, गांधीनगर, मेहसाणा, साबरकांठा, अरावली, महिसागर, दाहोद, पंचमहल जिलों सहित जूनागढ़, गिर सोमनाथ, अमरेली भावनगर, बोटाद में गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश होगी।

मानसून की तरह सर्दी भी होगी भयंकर, जल्दी शुरू होगी जानलेवा ठंड?

वडोदरा ,29 सितंबर

गुजरात में बारिश की भविष्यवाणी: सौराष्ट्र समेत दक्षिण गुजरात और मध्य गुजरात के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हो रही है, मौसम विभाग ने आज रिवार के लिए राज्य के 10 जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। जिसके मुताबिक कई जिलों में भारी बारिश की खबर है. उधर, मौसम वैज्ञानिक अंबालाल ने नवरात्र और शरद पुनम पर भी बारिश की संभावना जताई है। इसके साथ ही सर्दी को लेकर भी अहम भविष्यवाणियां की गई हैं.

मौसम विशेषज्ञ अंबालाल पटेल ने कहा, 'मौसम में बदलाव के कारण शरद पूर्णिमा के बाद भी राज्य के कुछ इलाकों में हल्की बारिश का मौसम रहेगा. इसके साथ ही दिवाली तक मौसम बदल जाएगा और समुद्री क्षेत्र में तेज हवाएं चल सकती हैं। 18 से 20 अक्टूबर तक बंगाल की खाड़ी में भारी तूफान आने की आशंका है, इसलिए 22 अक्टूबर तक तूफान आ सकता है.'

अंबालाल कहते हैं, '29 अक्टूबर से सर्दी की शुरुआत से राज्य प्रभावित होगा, जबकि देश के उत्तरी पहाड़ी इलाकों में बारिश की संभावना के कारण दिसंबर के महीने में कड़ाके की ठंड पड़ेगी. इस बीच, मौसम विज्ञानियों द्वारा ला नीनो के प्रभाव की जानकारी दी गई है। भूस्खलन भी संभव है क्योंकि देश के उत्तरी पहाड़ी इलाकों में भारी बर्फबारी की संभावना है।'

राज्य में आज (29 सितंबर) तक सीजन की औसत की 136 फीसदी बारिश हो चुकी है. जिसमें सबसे ज्यादा बारिश कच्छ जोन में 185 फीसदी, सौराष्ट्र जोन में 145 फीसदी, दक्षिण गुजरात जोन में 141फीसदी, पूर्व-मध्य गुजरात जोन में 132 फीसदी और उत्तरी गुजरात जोन में 114फीसदी दर्ज की गई है.

वडोदरा में सीएम के आगमन से पहले दबाव हटाने पहुंची टीम पर गाड़ी चढ़ा दी

वडोदरा ,29 सितंबर,

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल आज (29 सितंबर) वडोदरा में औद्योगिक संगठन लघु उद्योग भारती के क्षेत्रीय सम्मेलन में शामिल हुए। कार्यक्रम मेडिकल कॉलेज के सभागार में आयोजित किया गया था। हालांकि, सीएम भूपेन्द्र पटेल के आने से पहले वडोदरा निगम की दबाव शाखा और पुलिस की टीमें मेडिकल कॉलेज और आसपास के सयाजी अस्पताल के बाहर मुख्य सड़क पर सफाई करने पहुंच गई थीं.

वडोदरा शहर को दबाव मुक्त दिखाने के लिए दबाव शाखा की टीम और पुलिस ने हमेशा की तरह सड़क पर खड़ी एंबुलेंस और लॉरियों को हटाने की कार्रवाई की. इसी बीच एक शराबी ने पूरे इलाके पर कब्जा कर लिया. शख्स ने शुरू में दबाव शाखा और पुलिस टीम से उसका सामान न हटाने की गुहार लगाई। उसने अपना सिर ज़मीन पर मारा और पास के एक पेड़ पर केबल से लटकने की कोशिश की।

पास में ही पुलिस और प्रेशर शाखा के कर्मी खड़े थे, इसलिए युवक के हाथ से केबल छीनकर काट दिया गया। इसके बाद दबाव शाखा की टीम तूफान मचाने वाले इस शख्स को नजरअंदाज कर वहां से चली गई.

आयोजक वडोदरा में जारी बारिश के बावजूद गरबा आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं

समता ग्राउंड में गरबा महोत्सव में ड्रोन शो और माताजी की आगमन यात्रा जैसी व्यवस्थाएं

वडोदरा, 29 सितंबर

चार दिन बाद नवरात्रि शुरू हो रही है लेकिन मेघराजा ने अभी तक अलविदा नहीं कहा है. हालांकि, भारी बारिश के बावजूद गरबा के मैदान में तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। खिलाड़ियों की तरह गरबा आयोजक भी उत्साहित हैं कि अगर बारिश भी हुई तो भी गरबा खेला जाएगा. गरबा आयोजकों की ओर से इस बार अलग-अलग थीम भी तय की गई हैं.

शहर के सुभानपुरा इलाके के समता ग्राउंड में आयोजित होने वाले पहले शक्ति गरबा उत्सव में ढोल, ताशा और लाज़िम के साथ नोरटे माताजी की स्वागत यात्रा निकाली जाएगी. गरबा आयोजक जयेश ठक्कर का कहना है कि हमने गायक अचल मेहता के ऋषभ ग्रुप के साथ मिलकर नवरात्रि गरबा आयोजन के 25वें वर्ष में प्रवेश किया है. हमारे गरबा में शुरुआत से ही महिलाओं के लिए नि:शुल्क प्रवेश है। कोई पास नहीं है. इस बार महीने की 9 तारीख को ड्रोन शो का आयोजन किया गया है तो 8 तारीख की रात को ऐसी आठ आरती में शक्ति गरबा आकृति के साथ 108 दीवानी आरती होगी.

कारेलीबाग में आयोजित नवशक्ति गरबा के आयोजक कमलेश परमार ने कहा कि 'हर साल हमारे गरबा में जन जागरूकता को महत्व दिया जाता है. इस बार नौ दिनों के स्वच्छता अभियान के दौरान सेना का शौर्य, अघोर आरती, महाआरती, अंगदान, अग्नि सुरक्षा और सीपीआर थीम तय की गई हैं। गरबा मैदान पर हमारे पास सीपीआर (दिल का दौरा पड़ने पर छाती पर दबाव) विशेषज्ञ भी मौजूद रहेंगे। कारेलीबाग के अंबालाल पार्क गरबा मैदान में आयोजित गरबा के आयोजक मनोज पटेल ने कहा कि 'हमारी गरबा महाआरती वडोदरा में प्रसिद्ध है. परंपरा के अनुसार इस बार भी गरबा के दौरान आठवीं रात को 25 हजार बत्तियों की महाआरती की जाएगी.

लक्ष्मीविलास पैलेस में आयोजित हेरिटेज गरबा महोत्सव की अध्यक्ष महारानी राधिकाराज गायकवाड़ ने कहा कि हमारे गरबा में सबसे पहले सुरक्षा का नियम है। महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा के लिए 250 से ज्यादा सुरक्षा गार्ड तैनात किए जाएंगे. महल की पृष्ठभूमि में हेरिटेज लुक में होने वाले हमारे गरबों में माताजी के प्राचीन गरबे भी शामिल हैं। मैदान के दोनों तरफ मेडिकल बूथ में डॉक्टरों समेत एक टीम खड़ी रहेगी. आपातकाल के दौरान

नवलखी मैदान पर आयोजित वडोदरा नवरात्रि उत्सव के अध्यक्ष मयंक पटेल ने कहा कि हमारे मैदान पर एक अस्थायी अस्पताल इतना बड़ा तैयार किया गया है कि वडोदरा में कोई गरबा मैदान नहीं है। 10 बेड के अस्थायी अस्पताल में दो डॉक्टरों के साथ एक पैरामेडिकल टीम तैनात की जाएगी। खिलाड़ियों की आमद को देखते हुए इस बार मैदान को भी बड़ा बनाया गया है.

राज्य के गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने आज घोषणा की कि अगर नवरात्रि के दौरान देर रात तक गरबा चलता रहेगा तो भी पुलिस परेशान नहीं करेगी. इस घोषणा के बाद आयोजकों के साथ-साथ वडोदरा के गरबा प्रेमी खिलाड़ियों ने भी खुशी जताई। लोगों का कहना है कि जैसे-जैसे लोगों की जीवन शैली बदल गई है, लोग देर शाम तक काम में व्यस्त रहते हैं, इसलिए गरबा पहुंचने में देर हो जाती है, इसलिए यदि आप देर रात तक गरबा खेलते हैं, तो आप पर्याप्त आनंद ले सकते हैं।

ग्लोबल वार्मिंग बढ़ने से निचले इलाकों में फिर बाढ़ का खतरा

पेंशनपुरा, कल्याणनगर, जलारामनगर, परशुराम भट्टा, इंदिरानगर जैसे निचले इलाकों को अलर्ट कर दिया गया है।

वडोदरा,29 सितंबर

वडोदरा में एक महीने पहले आई बाढ़ के बाद आज विश्वामित्री नदी का जलस्तर अचानक बढ़ने से कालाघोड़ा के पास विश्वामित्री नदी का जलस्तर 17 फीट से बढ़ जाने से निगम का तंत्र चिंतित हो गया है. और लोगों में यह भय फैलने लगा है कि कहीं नदी में फिर से बाढ़ तो नहीं आ जायेगी. आज निगम की बैठक के बाद लोगों से कहा गया कि चिंता करने की जरूरत नहीं है.

गौरतलब है कि आज झील के जल निकासी क्षेत्र में लगातार बारिश हो रही है, इसके अलावा वडोदरा जिले में विश्वामित्री नदी के तटीय इलाकों में भी बारिश होने से पानी बह रहा है. शहर में भी लगातार हो रही बारिश के कारण विश्वामित्री नदी का जलस्तर आज शाम अचानक बढ़कर 17.15 फीट के स्तर पर पहुंच गया. चूंकि विश्वामित्री नदी शहर से होकर दो किनारों पर बहती है, इसलिए पुल पार करने वाले लोगों में चिंता का माहौल था। इसके साथ ही सिस्टम भी हरकत में आया कि अब क्या किया जा सकता है।

आमतौर पर विश्वामित्री नदी का खतरनाक स्तर 26 फीट है, लेकिन जब यह 217 फीट के आसपास पहुंच जाता है, तो कुछ निचले इलाकों को खाली करना पड़ता है। पेंशनपुरा, कल्याणनगर, जलारामनगर, परशुराम भट्टा, इंदिरानगर समेत बस्तियों में नदी का पानी जमा होने लगा है, जिसके चलते पहले से ही एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि 15 घंटे में विश्वामित्री नदी का जलस्तर 9.5 फीट से बढ़कर 17 फीट से अधिक हो जाने के कारण सतर्कता बरती जा रही है।

एक महीने पहले वडोदरा में विश्वामित्री नदी के कारण आई बाढ़ को लोग अभी भी नहीं भूले हैं और कई लोग अभी बाढ़ के खौफ से उबर भी नहीं पाए हैं कि नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया है और डर फिर से फैल गया है.

विकास के रोल मॉडल गुजरात की अर्थ व्यवस्था की रीढ़ है एमएसएमई : मुख्यमंत्री

वडोदरा (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि देश के विकास के रोल मॉडल गुजरात में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। सरकार एमएसएमई उद्योगों को ग्लोबल प्लेटफार्म मुहैया कराने और दुनिया के साथ प्रतिस्पर्धा के लिए सक्षम बनाने के लिए सर्वग्राही प्रयास कर रही है। उन्होंने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के माध्यम से 'विकसित गुजरात से विकसित भारत' के निर्माण के लिए सभी से प्रतिबद्ध होने का आह्वान किया। यह बात उन्होंने रविवार को वडोदरा में लघु उद्योग भारती गुजरात प्रदेश वडोदरा जिला की ओर से आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में बड़ा परिवर्तन आया है। भारत में अनेक क्षेत्रों में संभावनाओं के नए द्वार खुले हैं। प्रधानमंत्री ने उन्नत और विकसित भारत का मंत्र दिया है। कृषि, सेवा और उद्योग, तीनों ही क्षेत्रों में समग्र विकास के जरिए विकसित भारत की राष्ट्रहित की भावना को बढ़ावा मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लघु उद्योग भारती उद्योग हित के साथ-साथ राष्ट्रहित के बारे में विचार करने वाला संगठन है, जो आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया के लिए निरंतर कार्यरत है। उन्होंने उद्योग और राष्ट्र विकास के सामूहिक मंथन के लिए लघु उद्योग भारती द्वारा इस सम्मेलन के आयोजन को सराहनीय बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के आयात को कम करने और निर्यात बढ़ाने के लिए देश में एमएसएमई उद्योग को प्रोत्साहन और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस यानी कारोबार सुगमता में सुधार के साथ-साथ मेक इन इंडिया कार्यक्रम शुरू किया है। उन्होंने कहा कि हाल ही में मेक इन इंडिया कार्यक्रम के 10 वर्ष पूरे हो गए हैं। इन दस वर्षों में भारत मैन्युफैक्चरिंग और इनोवेशन के क्षेत्र में पावर हाउस बन गया है। भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि स्पेस से लेकर सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक से लेकर इलेक्ट्रिक वाहन जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ने के साथ ही आज भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन निर्माता भी बन गया है। उन्होंने संगठन और उद्योग के बीच सरकार द्वारा निभाई जा रही उत्प्रेरक की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि लघु उद्योग भारती छोटे उद्योगों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान कर उन्हें मजबूत बनाने में सहायक सिद्ध हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में क्लस्टर आधारित विकास और वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट नीति को भी बढ़ावा मिल रहा है। भारत को कला विरासत में मिली है। इस कला-कारीगरी को विकसित करने में लघु उद्योग भारती ऐसे क्लस्टरों को फिर से मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। लघु उद्योग भारती और उसके साथ जुड़े सभी लोग देश की विकास यात्रा के सहभागी बन रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राष्ट्र प्रथम की भावना प्रबल बनी है।

चावल पर निर्यात शुल्क घटाकर 10 प्रतिशत किए जाने से किसानों में खुशी है

सूरत ,29 सितंबर,

केंद्र सरकार द्वारा पके चावल पर निर्यात शुल्क घटाकर 20 फीसदी करने के बाद धान पकाने वाले किसानों की आय को बड़ा झटका लगेगा.सूरत जिले में धान की फसल मानसून और गर्मी दो मौसमों में काटी जाती है। उस समय देश में चावल की कमी न हो इसके लिए केंदवा सरकार ने उबले (उबले हुए) चावल पर निर्यात शुल्क जो कि 10 प्रतिशत था, को बढ़ाकर दोगुना 20 प्रतिशत कर दिया। तो, ऑलपाड तालुका के जयेश पटेल, नरेश पटेल आदि सहकारी किसान नेताओं ने राज्य के वन पर्यावरण मंत्री और मुख्यमंत्री को आवेदन दिया कि केवल सूरत जिले के ऑलपाड तालुका में ग्रीष्मकालीन धान की 12 लाख गुना आय, लगभग 1.80 करोड़ रु फसल ली जाती है. हालाँकि, सिंचाई, सिंचाई, श्रम, उर्वरक, दवा की कीमतों में भारी वृद्धि हो रही है, इसलिए यदि किसानों को प्रति किलो 20 रुपये मिलते हैं, तो वे इसे वहन नहीं कर सकते। इसमें पके चावल पर निर्यात शुल्क दोगुना कर 20 प्रतिशत कर दिया जाएगा, जिससे निर्यात कम हो जाएगा, जिसका सीधा असर किसानों की आय पर पड़ेगा। इसलिए निर्यात शुल्क को वापस 10 फीसदी पर लाने की मांग की गई.

हाल ही में वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना जारी कर चावल पर निर्यात शुल्क बढ़ाकर 10ञ कर दिया है. पुरूषोत्तम फार्म्स जिनिंग मिल, जहां धान की गुणवत्ता सबसे अधिक है, के अध्यक्ष मनहर पटेल ने कहा कि इस फैसले से किसानों में खुशी आई है. किसानों को बड़ा आर्थिक लाभ मिलेगा.

सूरत में धान की फसल चौपट, खेतों में पानी भरने से फसल खराब होने की आशंका

सूरत ,29 सितंबर

अंतिम राउंड में मेघराजा देमार पर बरस रहे हैं। दूसरी ओर, खेतों में धान की कटाई की तैयारी शुरू हो गयी है. भारी बारिश के कारण धान की फसलबहजाने के साथ-साथ खेतों मेंपानीभर जाने से फसलों की व्यापक क्षति होनेसेकिसानों की हालत दयनीय हो गयी है.अब किसानों की खेतों से पानी निकालने की बारी आ रही है.

सूरत शहर और जिले में पिछले तीन दिनों से लगातार बारिश हो रही है. इस बारिश से किसान चिंतित हैं. क्योंकि इस बार समय पर बारिश होनेकेसाथ-साथ मानसून सीजन की सबसे महत्वपूर्ण फसल धान की फसल के लिए भी बारिश होने से किसान खुश थे कि इस साल धान की फसल अच्छी होगी इस स्थिति के बीच पिछले तीन दिनों से हो रही बारिश के कारण किसानों की फसलें खराब हो गयी हैं.

वर्तमान में अल्लपाड, चोर्यासी, पलसाणा, बारडोली सहित तालुकाओं में किसानों की स्थिति दयनीय हो गई है। अल्लपाड़ के इशानपुर गांव के किसान दिनेश पटेल के मुताबिक, आज हमारे खेत में ऐसी स्थिति है कि खेत में लगी धान की फसल बारिश के कारण बह गयी है. और खेत के अंदर बारिश का पानी भरने की स्थिति में मशीन को खेत से बाहर निकालना पड़ता है. यही हाल सभी धान किसानों का हो रहा है. किसान आने वाले दिनों में बारिश रुकने की प्रार्थना कर रहे हैं.

'स्वच्छता ही सेवा 2024' अभियान के दौरान वड़ोदरा मण्डल पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन

पश्चिम रेलवे, वड़ोदरा मण्डल पर 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2024 तक सक्रिय रूप से 'स्वच्छता ही सेवा 2024' अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत25से 28 सितंबर 2024 तक कई जागरूकता और स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें घर-घर जाकर स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने, स्वच्छ भारत मिशन के तहत विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित करना, स्वच्छ फूड इनिशिएटिव और नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से जन-जागरूकता बढ़ाने जैसी गतिविधियां शामिल है।

वड़ोदरा मण्डल पर घर-घर जाकर जागरूकता अभियान सफलतापूर्वक चलाया गया। इस अभियान के दौरान रेलवे कॉलोनियों में सभी घरों का दौरा किया गया और निवासियों को सामुदायिक स्वच्छता बनाए रखने के बारे में शिक्षित किया गया। रेलवे परिवार के सदस्यों को उचित अपशिष्ट निपटान और स्वच्छता के बारे में बताया गया, जिससे व्यक्तियों को अपने आस-पास के वातावरण को साफ रखने की व्यक्तिगत जिम्मेदारी लेने के लिए प्रेरित किया गया।

''स्वच्छता ही सेवा'' कैंपेन के अंतर्गत स्वच्छ फूड इनिशिएटिव के तहत मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर फूड स्टॉल्स, कैंटीन और ट्रेनों में पैंटीकार आदि का निरीक्षण किया गया। स्वास्थ्य निरीक्षकों द्वारा फूड हैंडलिंग, व्यक्तिगत स्वच्छता और खाद्य स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए स्टॉल विक्रेताओं, कैंटीन कर्मचारियों और आम जनता के बीच व्यापक जागरूकता और शैक्षिक अभियान चलाए गए। रेल कर्मचारियों, वेंडर्स एवं रेल यात्रियों को हाइजीन फूड, स्वच्छता एवं स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के महत्व के बारे में जानकारी दी।

इसके साथ ही, वड़ोदरा स्टेशन, पर नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया गया। इन नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से रेल यात्रियों, कुलियों, वेंडर्स और कर्मचारियों को सिंगल यूज़ प्लास्टिक के नुकसान और स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया गया, साथ ही स्वच्छता बनाए रखने और सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग न करने के लिए प्रेरित किया गया।

रईशजादों का ट्रैफिक पुलिस कांस्टेबल को कुचलने का प्रयास, दो आरोपी गिरफ्तार

सूरत (ईएमएस) शहर के वालक पाटिया ब्रिज के निकट कार पार्क कर दो युवक और दो युवतियां रील बना रहे थे ब्रिज पर दुर्घटना की आशंका के चलते ट्रैफिक पुलिस ने चारों को वहां से जाने को कहा जिसके बाद रईशजादों ने ट्रैफिक जवान पर कार चढ़ाने की कोशिश की ट्रैफिक जवान ने कार अपनी ओर आती देख उसकी बोनट पर चढ़ गया और वायपर पकड़ लिया

रईशजादों ने 300 मीटर दूर जाकर कार तब रोकी जब कांस्टेबल ने शीशे पर लात मारनी शुरू की घटना के बाद स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई और दो युवकों को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की हैं जानकारी के मुताबिक सूरत में ट्रैफिक विभाग में कार्यरत नीलेश प्रेमजी रोजाना की तरह दोपहर में वालक ब्रिज पर गोपीन गांव की ओर से स्पीड गन लेकर खड़े थे। कांस्टेबल को दोपहर साढ़े 12 बजे इस पुल पर एक वेन्यू कार खड़ी मिली जिपास दो युवक और दो युवतियां खड़े होकर रील बनाते नजर आए। कांस्टेबल ने उन्हें ओवर ब्रिज पर दुर्घटना की आशंका से अवगत कराया और वहां से चले जाने को कहा जिसके बाद चारों कार में बैठ गये लेकिन कार सीधे कॉन्स्टेबल की ओर बढ़ी और उसे कुचलने की कोशिश की। सतर्क कांस्टेबल कार के बोनट पर चढ़ गया और कार के वाइपर पकड़ लिए। यह जानते हुए भी कि कार पर पुलिसकर्मी है और उसकी मौत हो सकती है, ड्राइवर ने कार नहीं रोकी कांस्टेबल सतर्क हो गया क्योंकि उसके बगल में बैठा युवक भी ड्राइवर को उकसाने की कोशिश कर रहा था। जिससे कांस्टेबल ने कार के शीशे पर लात मारना शुरू कर दिया जिससे 300 मीटर दूर जाने के बाद आखिरकार चालक ने कार रोक दी कार रुकते ही अंदर बैठी दोनों लड़कियां खिसक गईं। जानकारी मिलते ही सूरत की सरथाणा पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। कांस्टेबल द्वारा दोनों के खिलाफ हत्या के प्रयास की शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद पुलिस ने कार चालक प्रांजल रमेश खेनी और क्रुपिन हसमुख वसानी को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के खिलाफ हत्या के प्रयास और डयूटी में बाधा डालने का मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी

पत्नी से मारपीट और तलाक की धमकी देने की शिकायत

वडोदरा, 29 सितंबर

मांडवी राजपारा में रहने वाली एक शादीशुदा महिला ने महिला थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि मेरी शादी 15 10 2017 को नवाब वाडा में रहने वाले मोईन खान पठान से हुई और एक साल तक हमारी जिंदगी अच्छी चल रही थी. उसके बाद, मेरे पति, सास और ननंद घर के काम को लेकर अक्सर झगड़ते थे। बच्चे के जन्म के बाद भी वे मुझे पियरे से पैसे लाने के लिए मजबूर करते हुए प्रताड़ित करते थे।

मेरे भाइयों ने हमें घर खरीदने के लिए पैसे भी दिए, मेरी सास और ननंद मेरे पति के मुझ पर शक का फायदा उठाते थे, जिससे मेरे पति मुझे पीटने की धमकी देते थे। फिलहाल मैं पियरे में रहती हूं, मेरे पति मुझे छोड़ने से भी इनकार करते हैं।

गच्छाधिपति आचार्य हेमप्रभसूरीश्वरजी महाराज का 91 वर्ष की आयु में स्वर्गवास

नवसारी (ईएमएस) 91 वर्षीय गच्छाधिपति आचार्य हेमप्रभसूरीश्वरजी महाराज का देर शाम नवसारी में स्वर्गवास हो गया। आचार्य हेमप्रभसूरीश्वरजी महाराज के निधन से गुजरात सहित पूरे देश में धार्मिक क्षेत्र में बड़ी क्षति हुई है।

जानकारी के मुताबिक नवसारी के शांतादेवी रोड स्थित श्री आदिनाथ श्वेतांबर मूर्ति पूजक जैन संघ में वर्तमान गच्छाधिपति आचार्य हेमप्रभसूरिश्वरजी महाराज का नवसारी में नवकार मंत्र का जाप करते हुए शाम 6.21 बजे पुष्य नक्षत्र में निधन हो गया।

91 वर्षीय श्रीमद् विजय हेमप्रभसूरीश्वरजी महाराज चातुर्मास के अवसर पर पिछले तीन महीने से नवसारी के आदिनाथ जैन संघ में रह रहे थे। उन्हें इंफेक्शन की समस्या थी उन्हें नवसारी के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था और कुछ दिनों से वह ऑक्सीजन पर थे।

अस्पताल से उन्हें पिछले गुरुवार को छुट्टी दे दी गई थी लेकिन कल शाम को नवकार मंत्र का जाप करते हुए उनका स्वर्गवास हो गया उनके निधन की दुखद खबर से संपूर्ण जैन समाज शोक में डूब गया है। कल शाम से ही जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में आदिनाथ जैन संघ में उमड़ पड़े। आचार्य हेमप्रभ सूरी श्वरजी महाराज के निधन से भक्तों की आंखों में आंसू थम नहीं रहे। गुजरात के राज्य के गृह मंत्री हर्ष संघवी ने भी ट्वीट कर गच्छाधिपति आचार्य हेमप्रभसूरीश्वरजी महाराज के निधन पर दुख व्यक्त किये

पश्चिम रेलवे-वडोदरा मंडल

ई-निविदा सूचना

(ई-निविदा सूचना सं.: M 137_MECH_PRTN_TEND_24_16, भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से, उप मुख्य यांत्रिक अभियंता, कैरिज और वैगन मरम्मत कार्यशाला, पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, नीचे दिए गए विवरण के अनुसार ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। **1). कार्य का नाम:** कार्य के स्कोप अनुसार पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर कार्यशाला में BVZI बोगियों सहित ICF बोगियों की विभिन्न गतिविधियों का कार्य। **2). कार्य की अनुमानित लागत:** ₹21000561.12/- (रूपये दो करोड़ दस लाख पांच सो इकसठ एवं पैसे बारह केवल) **3). जमा की जाने वाली बोली सुरक्षा:** ₹ 255000/- (रूपये दो लाख पचपन ह